कोटद्वार, बुधवार
17 सितम्बर 2025
वर्षः 47
अंकः 132 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

सीएम ने दी विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वकर्मा जयंती न केवल एक धार्मिक अवसर है, बल्कि यह कर्मशीलता, रचनात्मकता और तकनीकी कौशल का उत्सव भी है। विश्वकर्मा जयंती का यह पर्व प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले उद्यमियों, शिल्पियों व श्रमवीरों को सम्मानित करने का भी अवसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वकर्मा जयन्ती हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो हमें सिखाता है कि हर रचना, हर निर्माण एक तपस्या है। इस अवसर पर हम सभी को यह संकल्प लेना होगा कि शिल्प, कला, विज्ञान और तकनीक के अधिष्ठाता विश्वकर्मा द्वारा दिखाए गए जनकल्याण के मार्ग को अपनाकर देश एवं उत्तराखण्ड की उन्नति में योगदान देने का प्रयास करें।

केदारनाथ हाईवे पांच घंटे रहा बंद

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ हाईवे पर बांसवाड़ा में लगातार पहाड़ी से मलबा गिरने का सिलसिला जारी है। बारिश होते ही यहां स्थिति और भी खराब हो रही है। मंगलवार को बांसवाड़ा में 5 घंटे आवाजाही बंद रही, जिससे यात्रियों के साथ ही स्थानीय लोगों को दिक्कतें उठानी पड़ी, हालांकि एनएच द्वारा जेसीबी मशीन से सुबह 11 बजे मार्ग खोल दिया गया। बीती रात से हो रही बारिश के चलते जनपद में केदारनाथ हाईवे बांसवाड़ा में मुसीबत बना है। वहीं रामपुर, डोलिया देवी आदि स्थानों पर भी हाईवे की स्थिति खराब है। मंगलवार को सुबह करीब 6 बजे बांसवाडा में पहाड़ी से मलबा, पत्थर आने के कारण हाईवे बंद हो गया। इस दौरान दोनों जगहों से वाहनों की आवाजाही बंद हो गई। कई यात्री वाहन और स्थानीय लोग यहां फंसे रहे। हालांकि स्थानीय लोगों की सूचना पर एनएच लोनिवि द्वारा यहां जेसीबी मशीन लगातार हाईवे खोलने की कार्यवाही की गई। वरिष्ठ व्यापारी राजेंद्र नेगी ने बताया कि बांसवाडा लगातार नासूर बनता जा रहा है। यहां कई दुर्घटनाएं बाल-बाल होते हुए बची है। जबकि हर समय आवाजाही में खतरा बना रहता है। इधर, एनएच लोनिवि के ईई ओंकार पांडेय ने बताया कि हाईवे बंद होने की सूचना पर तत्काल मार्ग खोल दिया गया है। (एजेंसी)

पीएम और गृह मंत्री ने ली अतिवृष्टि से हुए नुकसान की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दूरभाष पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उत्तराखंड में अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रदेश को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। कहा कि केंद्र सरकार आपदा की इस घड़ी में राज्य के साथ मजबूती से खड़ी है।मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और सहयोग से राज्य में राहत कार्य और तेजी से संचालित होंगे। बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक मशीनरी पूरी तत्परता से सक्रिय है और बचाव एवं राहत कार्य युद्धस्तर पर चल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी प्रभावित परिवार को असुविधा न हो और राहत सामग्री, सुरक्षित ठहराव, भोजन, पानी एवं स्वास्थ्य सुविधाएं तुरंत उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्लप्रदेश सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है।

यमुनोत्री की यात्रा तीन सप्ताह बाद सुचारू

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम की यात्रा करीब तीन सप्ताह बाद आखिर मंगलवार को शुरू हो गयी है। यात्रा शुरू होने से जहां यमुनोत्री धाम सहित यात्रा मार्ग पर चहल पहल दिखाई दी तो वहीं यात्रा मार्ग पर व्यवसायियों के चेहरों पर भी कुछ रौनक भी लौट आई है। मानसून के दौरान भारी बारिश के कारण यमुनोत्री हाईवे जगह जगह बंद होने के कारण बीते तीन सप्ताह से यमुनोत्री धाम की यात्रा पूरी तरह बंद थी, जो मंगलवार को पुनः शुरू हो गयी है। इस बार भारी बारिश के चलते यमुनोत्री हाईवे जगह–जगह पर क्षतिग्रस्त होने के कारण बीते तीन सप्ताह से यमुनोत्री धाम की यात्रा भी पूरी तरह प्रभावित रही।

उत्तराखंड में चौतरफा बरपा कुदरत का कहर!

देहरादून में फटा बादल, अब तक 17 की मौत, 16 लापता

देहरादून। इस बार के मानसून ने धराली से लेकर थराली तक उत्तराखंड के तमाम हिस्सों को गहरे जख्म दिए। पहाड़ पर बरपे कुदरत के कहर के बाद मानसून अब ढलान पर आता दिख ही रहा था कि राजधानी दून पर चौतरफा आफत टूट पड़ी।

सहस्त्रधारा और इससे सटे कार्लीगाड़ में आधी रात के करीब जब लोग नींद के आगोश में आए ही थे कि तेज वर्षा के बीच भारी आवाज के साथ दोनों जगह बादल फट गया। पानी के तीव्र वेग और मलबे ने सभी को चपेट में ले लिया। किसी को भी संभलने का मौका नहीं मिला। इस जलप्रलय में अब तक एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि की गई, जबकि 12 लोग अभी लापता हैं। तबाही के मंजर में जिंदगी के निशान तलाशने के लिए युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान जारी है।

वहीं, प्रभावितों को मजाड़ा स्थित प्राथमिक विद्यालय में बनाए गए राहत शिविर के साथ ही सहस्त्रधारा रोड पर अधिग्रहीत किए गए होटलों में शिफ्ट

किया गया है।

कुदरत का कहर यहीं शांत नहीं हुआ। प्रेमनगर क्षेत्र में उफान पर आई टौंस नदी ने एक तरफ देहरादून–पांवटा साहिब राजमार्ग पर नंदा की चौकी के पास पुल का एक हिस्सा भरभराकर ढह गया, तो

सड़कों और पुलों को हुई भारी क्षति

देहरादून में पहली बार चौतरफा टूटी आफत की वर्षा में देहरादून – पांवटा साहिब राजमार्ग पर नंदा की चौकी के पास का पुल ध्वस्त गया गया, जबकि हरिद्वार राजमार्ग पर लालतप्पड़ के पास पुराने पुल की एप्रोच रोड का आधा हिस्सा बह गया।

दिल्ली देहरादून राजमार्ग का एक हिस्सा भी मोहंड के पास धंस गया। इसके अलावा मसूरी राजमार्ग शिव मंदिर के पास पुल टूटने से बाधित हो गया, जबकि मालदेवता और सहस्त्रधारा के पास भी पुल ध्वस्त हुआ है। इसके अलावा तमाम राजमार्ग और अन्य मार्ग जगह जगह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

वहीं मंगलवार तड़के खनन के लिए ट्रैक्टर–ट्राली से नदी की तरफ जा रहे 14 लोग उफान में फंस गए।

इससे पहले कि वह मदद के लिए किसी को बुला पाते सभी पानी की तीव्र धारा उन्हें बहा ले गई। एसडीआरएफ ने अथक प्रयास के बाद दो व्यक्तियों को बचा लिया, जबकि 12 लोग तब तक पानी के आगोश में समा चुके थे। टौंस नदी में बहे 08 व्यक्तियों के शव बरामद कर लिए गए हैं और शेष 04 की तलाश की जा रही है। इसके अलावा विकासनगर क्षेत्र में आसन नदी से तीन अन्य शव भी बरामद किए गए हैं।

आफत की वर्षा के बीच देहरादून में हर नदी–नाले उफान पर रहे और भूस्खलन की घटनाएं भी सामने आईं। इनकी चपेट में आकर देहरादून में मोहिनी रोड, भगत सिंह कालोनी, ग्रीन वैली हास्टल, मसूरी के बालीगंज, ऋषिकेश में 200 बीघा और कालसी क्षेत्र में छह व्यक्तियों की मौत हो गई। इस तरह अब तक कुदरत के कहर में देहरादून में कुल 17 व्यक्तियों की मौत की जानकारी मिली और 16 लापता हैं। हालांकि, प्रशासन की तरफ से जारी की गई जानकारी में 11 की मौत और 12 लापता होने का आंकड़ा जारी किया गया है।

चंद्रभागा के उफान से मची तबाही, दिखाया रोद्र स्प

ऋषिकेश। मूसलाधार बारिश ने ऋषिकेश में ताबाही मचाई। बरसाती नदी चंद्रभागा उफान पर आ गई, जिससे ढालवाला क्षेत्र में 50 मीटर क्षेत्र में तटबंध क्षतिग्रस्त हो गया। जिससे क्षेत्र की आबादी को खतरा पैदा हो गया। इसी तटबंध से होकर गुजर रही ट्रीटमेंट प्लांट की सीवर लाइन भी टूट गई। न्यू त्रिवेणी कॉलोनी में भी नदी ने तटबंध को क्षतिग्रस्त कर दिया है। बरसाती पानी 48 से ज्यादा घरों में घुस गया, जिससे लोगों का सामान खराब हो गया। सिंचाई विभाग फौरी तौर पर वायरक्रेट और रेत के कट्टों के सहारे तटबंध बनाने का प्रयास कर रहा है। सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक बरसाती नदी चंद्रभागा का रौद्र रूप देखकर ऋषिकेश और ढालवाला क्षेत्र के लोग सहम गए। नदी का पानी गंगोत्री हाईवे पर ढालवाला में बने पुल के ऊपर से बहा। नया चंद्रभागा पुल के नजदीक बरसाती नदी कटाव करते हुए तटबंध का करीब 50 मीटर हिस्सा बहा ले गई। तटबंध बहते ही नदी का पानी घरों में घुसने के डर से ढालवाला क्षेत्र के लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना पर सिंचाई विभाग, पुलिस और नगरपालिका के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने नदी का पानी आबादी में घुसने से रोकने के लिए फौरी तौर पर रेत के कट्टों से अस्थायी तटबंध का निर्माण शुरू किया। वायरक्रेट के माध्यम से भी नदी का रूख मोड़ने का प्रयास किया। वहीं, ऋषिकेश में चंद्रभागा का पानी तटबंध को क्षतिग्रस्त करते हुए न्यू त्रिवेणी कॉलोनी के 48 से ज्यादा घरों में घुस गया। बरसाती पानी घरों तक पहुंचने से स्थानीय लोगों में अफरा–तफरी फैल गई। कीमती सामान को बचाने के लिए कॉलोनी के वासी जद्दोजहद करते दिखे। मेयर शंभू पासवान भी कॉलोनी में प्रभावितों का हाल जानने पहुंचे।

प्रभावितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएं : धामी

मुख्यमंत्री अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्र का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को अतिवृष्टि से प्रभावित देहरादून जनपद के मालदेवता क्षेत्र एवं केसरवाला का स्थलीय निरीक्षण कर वहां की स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की गति तेज करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने स्थानीय नागरिकों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिवृष्टि के कारण प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों, पुलों एवं सरकारी संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे आमजन के जीवन पर भी व्यापक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने निर्देश दिए कि अवरुद्ध मार्गों को शीघ्र चालू किया जाए, सुरक्षित पेयजल व बिजली की आपूर्ति तत्काल सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन व प्रशासन की टीम निरंतर फील्ड में सक्रिय है और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ राहत, बचाव व पुनर्वास कार्यों को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि नदियों के जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए आपदा से निपटने हेतु विशेष सतर्कता बरती जा रही है। मुख्यमंत्री राज्य आपदा परिचालन केंद्र और विभिन्न जिलों की परिस्थितियों की लगातार समीक्षा कर रहे हैं एवं सभी जिलाधिकारियों के साथ नियमित संपर्क बनाए हुए हैं। स्थलीय निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ विधायक उमेश शर्मा 'काऊ, गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, अपर सचिव बंशीधर तिवारी सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हल्द्वानी में सुहावना मौसम, नैनीताल में आज बारिश का अलर्ट

हल्द्वानी। हल्द्वानी में मंगलवार को दिनभर रुक–रुक कर बारिश होती रही। शहर में पिछले 24 घंटों में 238 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। सुबह की शुरुआत हल्की फुहारों के साथ हुई, जिसके बाद 10 बजे मौसम साफ हो गया। दोपहर में अचानक हुई तेज बारिश से लोग बचने के लिए इधर–उधर भागते नजर आए।

शहर में कई जगह जलभराव हुआ। शहर का अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिक रोहित थपलियाल के अनुसार, कुमाऊं मंडल में आज यानी 17 सितंबर को नैनीताल जिले में बारिश होने की संभावना है। आपदा कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह आठ बजे से मंगलवार सुबह आठ बजे तक हल्द्वानी में सबसे अधिक 238 मिमी बारिश दर्ज की गई है। वहीं नैनीताल में 119 मिमी, रामनगर में 5 मिमी, कालाढूंगी में 1 मिमी, बेतालघाट में 6 मिमी बारिश रिकार्ड की गई।

हिमाचल प्रदेश के निहरी में लैंडस्लाइड से तीन की मौत, दो लोगों का रेस्क्यू

मंडी , हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में रात को भारी बारिश होने से तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है। जिला सुंदरनगर उपमंडल की निहरी तहसील के ब्रगटा गांव में सोमवार रात लैंडस्लाइड होने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है।जिले में लगातार भारी बारिश होने से लैंडस्लाइड की घटनाएं हो रही हैं। ब्रगटा गांव में लैंडस्लाइड होने से एक घर को काफी नुकसान पहुंचा। इसमें घर में मौजूद दो महिलाएं और 8 माह के बच्चे की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही निहरी चौकी की टीम मौके पर पहुंची। वहीं, एसपी मंडी साक्षी वर्मा ने हादसे की पुष्टि की।एसपी मंडी साक्षी वर्मा ने बताया कि हादसे के समय घर में पांच लोग मौजूद थे, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान 64 वर्षीय तांगू देवी, 33 वर्षीय कमला देवी और 8 माह के भीष्म सिंह के रूप में हुई है। इसके अलावा जिन्हें सुरक्षित बचाया गया है, उनमें 65 वर्षीय खूब राम और 58 वर्षीय दर्शन देवी हैं। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।उन्होंने बताया कि रात से ही तेज बारिश में पुलिस और रेस्क्यू टीमें मैदान में जुट गई थीं। लोगों को सुरक्षित निकालने का काम रात से जारी है। जल्द ही सभी लोगों को सुरक्षित निकाल लिया जाएगा।इससे पहले भी सुंदरनगर उपमंडल के जंगमबाग में भी इसी तरह का मामला सामने आया था, जिसमें 7 लोगों की जान चली गई थी। उसके बाद अब इसी उपमंडल के निहरी में हादसा हुआ।भारी बारिश और लैंडस्लाइड होने से क्षेत्र के अधिकतर मार्ग बंद हो गए हैं। बारिश और लैंडस्लाइड में फंसे लोगों को बचाने के लिए स्थानीय लोग और रेस्क्यू टीम अपने स्तर पर सर्च ऑपरेशन चला रही है। क्षेत्र में अभी भी रुक–रुककर बारिश का दौर जारी है, जिससे चलते पहाड़ी से अभी भी मलबा गिरने का खतरा बना हुआ है।

आधुनिक युग में एआई की भूमिका महत्त्वपूर्ण : ओम बिरला

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार द्वारा आयोजित इण्डियन ए.आई समिट में प्रतिभाग किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आधुनिक युग में एआई की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। आज अनेक क्षेत्र में एआई का उपयोग हो रहा है।

एआई का आध्यात्मिक मूल्यों के साथ समावेषन होना चाहिए। एआई के माध्यम से पूरी दुनिया तक भारत के ज्ञान, संस्कृति को पहुंचाने की दिशा में सार्थक पहल होनी चाहिए। विज्ञान व अध्यात्म का समन्वय को साथ लेकर चलें। लोकसभा अध्यक्ष ने आशा व्यक्त की कि तकनीकी नवाचार के माध्यम से भावी पीढ़ी सुदृढ हो, इस दिशा में देवसंस्कृति विवि कार्य करेगा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री ाी पुष्कर सिंह धामी देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या एवं अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्राचीन भारतीय संस्कृति में ज्ञान विज्ञान और अध्यात्म का एक अद्वितीय संगम देखने को मिलता है। हमारी सनातन संस्कृति केवल आस्था और विश्वास पर आधारित नहीं है, बल्कि एक गहरी वैज्ञानिक दृष्टिकोण चिंतन और शोध का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के साथ-साथ एआई भी व्यापक रूप से हमारे जीवन के हर पहलुओं को प्रभावित कर रहा है। एआई तकनीक हमारे दैनिक जीवन को न केवल आसान बना रही है बल्कि उद्योग में, चिकित्सा, शिक्षा, कृषि और अनेक क्षेत्रों में नवाचार की प्रगति का भी प्रमुख कारण बन गई है। यदि हम इस शक्ति का सही दिशा में सही प्रकार से उपयोग करें तो हम अनेकों क्षेत्र में सुधार ला सकते हैं।

यदि हम ए.आई की शक्ति का सही दिशा और उद्देश्य के साथ उपयोग करें, तो ये अनेक क्षेत्रों में सुधार लाकर लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस अवसर पर भारत सरकार के एआई मिशन के सीईओ डॉ. अभिषेक सिंह, रॉबर्ट ट्रैगर, विलियम जोन्स, स्वामी रूपेन्द्र प्रकाश, स्टुअर्ट रसेल, जान टैलिन, नालंदा विवि के कुलपति डॉ. सचिन चतुर्वेदी, विधायक मदन कौशिक, पूर्व विधायक स्वामी यतीश्वरानंद, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, राज्यमंत्री डॉ. जयपाल सिंह चौहान, ओम प्रकाश जमदग्नि सुनील सैनी, जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोभाल, उपाध्यक्ष एचआरडीए अंशुल सिंह, मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे सहित देव संस्कृति के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

एआई केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं

संयुक्त राष्ट्र द्वारा आस्था एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए स्थापित विशेष आयोग के एशिया क्षेत्र के कमिश्नर डॉ. चिन्मय पंड्या ने कहा कि वर्तमान में एआई केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नही है बल्कि यह शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग और सुरक्षा सहित अनेक क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है। हालांकि इसके साथ ही नैतिकता, गोपनीयता, डेटा सुरक्षा तथा रोजगार पर इसके प्रभाव को लेकर कई चिंताएं भी सामने आ रही हैं। स्विटजरलैण्ड के इन्टर पार्लियामेंट्री यूनियन के सेक्रेटरी जनरल मार्टिल चुंगोंग ने वीडियो संदेश के माध्यम से एआई की वैश्विक भूमिका को सभी के समक्ष रखा।

कुख्यात वाल्मीकि के संपर्क में रहने वाले दो सिपाही गिरफ्तार

देहरादून। कुख्यात प्रवीण वाल्मीकि गैंग के साथ काम करने वाले दो पुलिसकर्मियों को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है। पिछले दिनों दोनों सिपाहियों को आईजी देहरादून रेंज कार्यालय से कुमाऊंमें ट्रांसफर किया गया था। कुख्यात प्रवीण वाल्मीकि के भतीजे मनीष बॉलर के साथ दोनों पुलिसकर्मियों का नाम जुड़ा था। आरोप है कि कुख्यात वाल्मीकि व उसके भतीजे के साथ मिलकर पुलिसकर्मियों ने रुड़की में एक जमीन का सौदा कराया और एग्रीमेंट अपनी एक परिचित महिला के नाम पर कराया। एसएसपी नवनीत भुल्लर ने बताया कि पुलिसकर्मी हसन जैदी और शेर सिंह नाम को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया कि रुड़की क्षेत्र के ग्राम सुनेहरा के रहने वाले श्याम बिहारी की वर्ष 2014 में मृत्यु हो गई थी जिसकी करोड़ो रुपए की बेशकीमती संपत्ति ग्राम सुनेहरा क्षेत्र में स्थित है श्याम बिहारी की मृत्यु के पश्चात इस संपत्ति की देखभाल उसका छोटा भाई कृष्ण गोपाल कर रहा था वर्ष 2018 में प्रवीण वाल्मीकि गैंग द्वारा इस संपत्ति को कब्जा करने की नियत से कृष्ण गोपाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके पश्चात इस संपत्ति की देखभाल श्याम बिहारी की पत्नी रेखा द्वारा की जाने लगी तो प्रवीण वाल्मीकि द्वारा रेखा को धमकाकर संपत्ति अपने नाम पर करने के लिए दबाव बनाया गया परंतु वह नहीं मानी तो उसके भाई सुभाष पर वर्ष 2019 में अपने भतीजे मनीष बॉलर व उसके साथियों के साथ गोली चलवायी गई, जिसमें धारा 307 भा0द0वि0 का मुकदमा थाना गंगानगर पर पंजीकृत कराया गया । इन दोनों घटनाओं से रेखा का परिवार डर गया और वह रुड़की क्षेत्र छोड़कर कहीं अज्ञात स्थान पर छिप कर रहने लगे । इसके बाद रेखा व कृष्ण गोपाल की संपत्ति को प्रवीण वाल्मिकी व उसके सदस्यों द्वारा फर्जी रेखा व कृष्ण गोपाल की पत्नी स्नेहलता बनाकर फर्जी पाँवर अटार्नी तैयार की गई तथा इन सम्पत्तियों को आगे बेचा गया ।

60 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में राज कुंद्रा से पूछताछ

अब अगले हफ्ते फिर होना होगा पेश

मुंबई ,60 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के एक मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने जांच तेज कर दी है। इस मामले में राज कुंद्रा को पूछताछ के लिए तलब किया गया। मुंबई पुलिस की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ 60 करोड़ की कथित धोखाधड़ी के मामले में जांच जारी है। आर्थिक अपराध शाखा ने राज कुंद्रा को समन भेजा था और उनसे पूछताछ की गई। उनका बयान दर्ज कर लिया गया है और उन्हें अगले सप्ताह दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा।

मामले में कारोबारी दीपक कोठारी ने आरोप लगाया है कि शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा ने मिलकर उन्हें 60 करोड़ रुपए का चूना लगाया। उनका दावा है कि उन्होंने 2015 से 2023 के बीच राज कुंद्रा को बिजनेस एक्सपेंशन के नाम पर पैसे दिए थे, लेकिन बाद में उन्हें पता चला कि ये रकम बिजनेस में नहीं, बल्कि कपल ने निजी खर्चों में इस्तेमाल की। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

इस बीच शिल्पा शेट्टी को लेकर एक नई चर्चा शुरू हुई। कहा जा रहा है कि उनका बांद्रा स्थित रेस्टोरेंट 'बैस्टियनझ् बंद होने वाला है।

इंदौर में तेज रफ्तार ट्रक का कहर, 2 की मौत, कई घायल

इंदौर , मध्य प्रदेश की व्यापारिक नगरी इंदौर में एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जब एक अनियंत्रित ट्रक ने कई लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, रामचंद्र नगर चौराहे पर तेज रफ्तार ट्रक ने दो मोटरसाइकिल सवारों को अपनी चपेट में ले लिया और उन्हें घसीटते हुए आगे बढ़ता रहा। लोगों ने ट्रक को रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक रुका नहीं और गणपति चौराहे पर भी कई राहगीरों को रौंद दिया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ट्रक इतनी तेज रफ्तार में था कि सामने आने वाले हर वाहन और व्यक्ति को वह कुचलता चला गया। इसी दौरान ट्रक में फंसी मोटरसाइकिल से चिंगारियां निकलीं और विस्फोट होने से ट्रक में आग लग गई।

भारत को मिला पहला स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियन

आनंदकुमार वेलकुमार ने जीता गोल्ड; पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली ,भारत के आनंदकुमार वेलकुमार ने 'स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025झ् में इतिहास रच दिया है। आनंदकुमार ने 1,000 मीटर स्प्रिंट में गोल्ड जीता। यह इस इवेंट में भारत का पहला गोल्ड है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि पर आनंदकुमार को बधाई दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेट-फॉर्म 'एक्सझ् पर लिखा, स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में सीनियर पुरुष 1,000 मीटर स्प्रिंट में गोल्ड मेडल जीतने वाले आनंदकुमार वेलकुमार पर गर्व है। उनके धैर्य, गति और जोश ने उन्हें स्केटिंग में भारत का पहला विश्व चैंपियन बनाया है। उनकी उपलब्धि अनगिनत युवाओं को प्रेरित करेगी। आनंदकुमार को बधाई और भविष्य के सभी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। 22 वर्षीय आनंदकुमार वेलकुमार ने चीन के बेइदा-इहे में जारी 'स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025झ् में सीनियर मेंस की 1000 मीटर स्प्रिंट रेस में 1:24.924 मिनट का समय लेकर पहला स्थान अपने नाम किया है। इससे पहले आनंदकुमार वेलकुमार ने ही 500 मीटर स्प्रिंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत को उसका पहला सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल दिलाया था। आनंदकुमार ने इसके लिए 43.072 सेकंड का समय लिया था। जूनियर कैटेगरी में स्केटर कृष शर्मा ने भी 1,000 मीटर स्प्रिंट में गोल्ड जीता है। इस तरह भारत ने स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप के 1,000 मीटर स्प्रिंट में जूनियर और सीनियर, दोनों ही इवेंट का गोल्ड अपने नाम किया है। तमिलनाडु के रहने वाले आनंदकुमार वेलकुमार खेल के साथ–साथ पढ़ाई में भी होशियार हैं। उन्होंने कंप्यूटर साइंस से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। आनंदकुमार वेलकुमार का 'स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025झ् में गोल्ड जीतना भारतीय खेलों के लिए ऐतिहासिक क्षण है।

सम्पादकीय

अब पर्यावरण क्रांति की जरूरत

बारिश के कहर ने अभी और न जाने कितनी तबाही का मन बना रखा है। अब तो लगता है मानो सितंबर का पूरा महीना भी आपदा के डर के बीच ही गुजर जाएगा। मध्य सितंबर बीत चुका है लेकिन आसमान से काले बादल छटाने का नाम नहीं ले रहे हैं। बादलों की गड़गड़ाहट और बरसते पानी ने आम जनजीवन को झकझोर कर रख दिया है। पूरे उत्तराखंड में तबाही का आलम है जहां पहाड़ों से लेकर मैदान तक सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है। यह तो स्पष्ट हो ही चुका है कि नदियों के मूल स्वरूप से खिलवाड़ करने का दंड इंसान भुगत रहा है। यह अलग बात है कि हमारे जैसे ही इंसानों ने अपने निजी स्वार्थ और आर्थिक लाभ के लिए नदियों नालों का रास्ता तो रोका ही साथ ही प्रकृति के मूल स्वभाव के साथ भी छेड़छाड़ करने की कोशिश की। उत्तराखंड के पहाड़ और और मैदान इसी छेड़छाड़ का एक परिणाम है जिसकी विभीषिका नदियों का वेग बनकर बरस रही है। जहां कभी कुछ दशक पहले नदियों के चौड़े स्वरूप देखने को मिलते थे, नालों की अपनी गहराई और चौड़ाई थी, जहां से भारी से भारी बरसात होने के बावजूद भी वेग के साथ पानी निकल जाता था। आज नदियों के मुहाने लगभग सिकुड़ गए हैं जहां लोगों ने अवैध कब्जे कर निर्माण कर लिए हैं। यही स्थिति पहाड़ों में भी है जहां जमीनों को काटकर नदियों के किनारे किस नीति के तहत निर्माण कर लिए गए इसका जवाब ना तो निर्माण प्राधिकरण के पास है और ना ही कभी सरकार की ओर से ही ऐसे निर्माणों को लेकर कोई बड़ी मुहिम चलाई गई है। असल में अधिकांश निर्माण के पीछे सत्ता के करीबी लोगों का हाथ ही माना जाता है और मौजूद कई मामलों में भी ऐसे कई प्रकरण है जिनमें नदियों के किनारे अवैध कब्जे कर बड़े–बड़े निर्माण कर लिए गए हैं। शासन प्रशासन भले ही ऐसे निर्माण को लेकर आंख मूंदे बैठा रहे लेकिन प्रकृति बड़े छोटे का भेद नहीं करती। उसका रास्ता एक हद तक रोका जा सकता है लेकिन जब प्रकृति कुपित होती है तो फिर वह अपने मार्ग के सभी अवरोधों को अपने साथ बहा कर ले जाती है। धराली क्षेत्र की आपदा को भूलना नहीं चाहिए जिसमें नदी की धारा को रोक कर निर्माण कर लिए गए थे और उसका रुख बदलने की कोशिश बहुत महंगी साबित हुई। आज भी पहाड़ों में अवैध निर्माण किया जा रहे हैं जबकि नदियों के किनारे कुछ मीटर तक निर्माण न करने के नियम भी बस कागज़ों तक ही सीमित है। आने वाले समय में यदि इन अवैध निर्माण को ध्वस्त कर प्रकृति को उसके मूल स्वरूप में लाने का प्रयास नहीं किया गया तो भविष्य इससे भी अधिक विनाशकारी साबित होने वाला है। जरूरत है अब एक ऐसी क्रांति की जो राजनीतिक ना होकर पर्यावरण सुरक्षा को लेकर शुरू की जाए ताकि प्रकृति के संरक्षण के साथ–साथ इंसानों को भी प्राकृतिक आपदाओं का शिकार न होना पड़े।

20 साल बाद फीलगुड फैक्टर क्रिएट

20 साल बाद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार फीलगुड फैक्टर क्रिएट कर रही है। लोगों को कम्फर्ट का अहसास दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। 2047 तक भारत को विकसित बनाने के वादे के साथ साथ यह बताया जा रहा है कि सरकार लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए कितना कुछ कर रही है। चारों तरफ हरियाली दिखाने की कोशिश हो रही है। इस नैरेटिव की तात्कालिक परीक्षा बिहार विधानसभा चुनाव में होगी और उसके बाद पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुना में भी होगी। सबसे पहले यह देखने की जरुरत है कि सरकार किन फैसलों से फीलगुड फैक्टर क्रिएट कर रही है और उसका क्या असर हो सकता है? लोगों को अच्छा महसूस कराने का बड़ा फैसला जीएसटी सुधार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से 15 अगस्त के अपने भाषण में ऐलान किया कि इस बार दिवाली पर डबल दिवाली मनेगी। उसके बाद सरकारी सिस्टम का पहिया इतनी तेजी से घूमा किया कि प्रधानमंत्री की घोषणा के एक महीना पूरा होने से पहले ही जीएसटी की दरों को बदलने का फैसला हो गया।

अजीत द्विवेदी

अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा ने 2004 का लोकसभा चुनाव फीलगुड और शाइनिंग इंडिया के नारे और नैरेटिव पर लड़ा था। चारों तरफ चमकते भारत की तस्वीर दिखाई जा रही थी। लेकिन उनका गठबंधन चुनाव हार गया था। उस समय लगा था कि इन नारों ने लोगों को आहत कर दिया क्योंकि जमीनी हकीकत नारों से उलट थी। हालांकि अब रेट्रोस्पेक्टिव तौर पर देखें तो ऐसा लगता है कि आज बहुत सी चीजें जो भारत में अच्छी दिख रही हैं, जिनमें सड़कों का जाल एक चीज है, उसकी नींव उसी समय पड़ी थी। बहरहाल, उस समय फीलगुड का नारा फेल हो गया था।

उसके 20 साल बाद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार फीलगुड फैक्टर क्रिएट कर रही है। लोगों को कम्फर्ट का अहसास दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। 2047 तक भारत को विकसित बनाने के वादे के साथ साथ यह बताया जा रहा है कि सरकार लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए कितना कुछ कर रही है। चारों तरफ हरियाली दिखाने की कोशिश हो रही है। इस नैरेटिव की तात्कालिक परीक्षा बिहार विधानसभा चुनाव में होगी और उसके बाद पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुना में भी होगी।

सबसे पहले यह देखने की जरुरत है कि सरकार किन फैसलों से फीलगुड फैक्टर क्रिएट कर रही है और उसका क्या असर हो सकता है? लोगों को अच्छा महसूस कराने का बड़ा फैसला जीएसटी सुधार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से 15 अगस्त के अपने भाषण में ऐलान किया कि इस बार दिवाली पर डबल दिवाली मनेगी। उसके बाद सरकारी सिस्टम का पहिया इतनी तेजी से घूमा किया कि प्रधानमंत्री की घोषणा के एक महीना पूरा होने से पहले ही जीएसटी की दरों को बदलने का फैसला हो गया।

जीएसटी के 12 और 28 फीसदी के दो स्लैब खत्म हो गए और 12 फीसदी टैक्स वाली 90 फीसदी चीजें पांच फीसदी के टैक्स स्लैब में आ गईं। यानी इनकी कीमतों में सात फीसदी तक की कमी आएगी। कई चीजों पर जीरो टैक्स कर दिया गया और बड़ी गाड़ियों के ऊपर भले 40 फीसदी टैक्स कर दिया गया है लेकिन उस पर लगने वाला सेस हटा दिया गया तो उनकी कीमत में भी 10 फीसदी तक की कमी आएगी। बीमा के प्रीमियम पर से तो सरकार ने 18 फीसदी टैक्स को जीरो कर दिया। अब देखना है कि कंपनियां इसका कितना लाभ आम लोगों तक ट्रांसफर करती हैं।

यह सचमुच बहुत बड़ा फैसला है। रोजमर्रा की जरुरत की चीजों पर टैक्स घटाना, बीमा के प्रीमियम को सस्ता बनाना, छोटी व बड़ी गाड़ियों पर टैक्स कटौती, सीमेंट की कीमतों में कमी जैसी कई चीजें हैं, जिनसे लोग निश्चित रूप से अच्छा महसूस कर रहे हैं। ऊपर से सरकार का प्रचार है। सरकार के प्रचार को देख कर ऐसा लग रहा है जैसे अभी से पहले देश में कांग्रेस और राहुल गांधी की सरकार चल रही थी, जिन्होंने देश के लोगों पर बहुत सारा टैक्स लाद रखा था और अब 15 अगस्त 2025 को नरेंद्र मोदी की सरकार बनी है, जिन्होंने देश के लोगों को टैक्स की गुलामी से मुक्ति दिलाई है।

असलियत यह है कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने ही जुलाई 2017 में आधी रात को संसद का सत्र बुला कर जीएसटी लागू किया था। जीसटी की जिन दरों में कटौती की गई वो सारी दरें मोदी सरकार ने ही लागू की थीं और राहुल गांधी आठ साल से कह रहे थे कि ये दरें बहुत ज्यादा हैं और जीएसटी की व्यवस्था बहुत जटिल है। वे बार बार टैक्स कटौती और इसकी व्यवस्था को सरल बनाने की मांग कर रहे थे। लेकिन सरकार का नैरेटिव ऐसा है, जैसे राहुल और कांग्रेस ने टैक्स लगाए थे और जीएसटी को जटिल बनाया

था और अब नरेंद्र मोदी की सरकार टैक्स कम कर रही है और जीएसटी को सरल बना रही है!

जो हो देश में फीलगुड आया दिख रहा है। लोगों कीमतें कम होने के इंतजार में हैं। त्योहारों में खरीदारी की तैयारी हो रही है। बाजार की भी अपनी तैयारियां हैं। कीमतें कम होने से महंगाई घटेगी और महंगाई घटेगी तो भारतीय रिजर्व बैंक ब्याज दरों में कटौती करेगा, जिससे बाजार में मांग बढ़ाने में मदद मिलेगी। मांग बढ़ेगी तो विकास दर में भी तेजी आएगी। ध्यान रहे चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विकास दर का अनुमान साढ़े छह फीसदी का था लेकिन वास्तविक दर 7.8 फीसदी रही।

इसके बावजूद रिजर्व बैंक ने पूरे साल की विकास दर का अनुमान साढ़े छह फीसदी से नहीं बढ़ाया क्योंकि उसको पता है कि अमेरिकी टैरिफ और भू राजनीतिक स्थितियों से आगे कुछ भी हो सकता है। सरकार सावधनी बरत रही है। उसकी उम्मीद इतनी है कि अगर अमेरिकी टैरिफ कम नहीं होता है तो उससे होने वाले नुकसान को जीएसटी में कटौती से बराबर किया जा सके। इतना भी हो गया तो बड़ी बात होगी। एक अनुमान अमेरिकी टैरिफ से 0.2 से 0.6 फीसदी नुकसान का है तो जीएसटी में कटौती से जीडीपी में 0.6 फीसदी की बढ़ोतरी का है।

बहरहाल, जीएसटी के अलावा इस बात से भी फीलगुड फैक्टर क्रिएट किया गया है कि सरकार ने कर मुक्त आय की सीमा बढ़ा कर 12 लाख रुपए कर दी। निश्चित रूप से यह बहुत बड़ा फैसला था। आमतौर पर केंद्र सरकार के बजट में मध्य वर्ग की नजर इस बात पर रहती थी कि आयकर में क्या छूट मिलती है। केंद्र सरकार ने आयकर छूट की सीमा बढ़ा कर 12 लाख रुपए कर दी है, जिससे नौकरी पेशा करोड़ों लोगों को फायदा हुआ है। यह प्रत्यक्ष कर में आजादी के बाद का सबसे बड़ा सुधार या सबसे बड़ी छूट थी तो जीएसटी में कटौती अप्रत्यक्ष कर में उसी साइज का सुधार है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर का यह सुधार निश्चित रूप से देश के लोगों को आर्थिक रूप से प्रभावित करेगा और मनोवैज्ञानिक रूप से भी प्रभावित करेगा। इससे एक सकारात्मक धारणा का निर्माण होगा, जिसे राजनीतिक फायदे में बदला जा सकता है।

भाजपा को सबसे पहले इसे बिहार में ही राजनीतिक फायदे में बदलना है। वहां इन दो बड़े फैसलों को अलावा अलग ही फीलगुड फैक्टर क्रिएट किया जा रहा है। बिहार के लोगों ने देश के बाकी हिस्सों की तरह अभी तक मुफ्त की चीजों का मजा नहीं चखा था क्योंकि नीतीश कुमार इसके खिलाफ रहते थे। अब भारतीय जनता पार्टी के असर में नीतीश सरकार ने पहली बार बिहार के लोगों को मुफ्त की चीजों का स्वाद चखाया है। राज्य में 125 यूनिट बिजली सभी के लिए फ्री हो गई है। इससे 60 फीसदी लोगों का बिजली बिल जीरो हो गया है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जिसमें वृद्धजन, दिव्यांगजन और विधवा महिलाएं शामिल हैं उसे चार सौ से बढ़ा कर 11 सौ रुपए कर दिया गया है।

पत्रकारों की पेंशन छह हजार से बढ़ा कर 15 हजार रुपए कर दी गई है। स्कूलों के पीटी टीचर और नाइट गार्ड्स का मानदेय दोगुना कर दिया गया है। आशा दीदी, ममता दीदी, जीविका दीदी आदि के मानदेय में भी बढ़ोतरी की गई है। और सबसे ऊपर सरकार ने देश के सभी 2.78 करोड़ घरों में एक महिला को एकमुश्त 10 हजार रुपए नकद देने का ऐलान किया है। यह रकम इसी महीने सबके खाते में आ जाएगी। सरकार 10 हजार रुपए डीपीआर यानी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने के लिए दे रही है।

उसने महिलाओं से कहा है कि वे कोई कारोबार शुरू करने की प्रोजेक्ट रिपोर्ट सरकार को दें और अगर सरकार को प्रोजेक्ट पसंद आया तो महिलाओं को दो लाख रुपए दिए जाएंगे। सो, सरकार ने जबरदस्त फीलगुड का माहौल बनाया है। इस माहौल में बिहार का विधानसभा चुनाव होगा। अगर इसके बाद भी मुकाबला नजदीकी होता है और विपक्षी पार्टियां एनडीए को टक्कर देती हैं तो यह स्थापित होगा कि पूरा देश जैसा सोचता है, बिहार उससे अलग सोचता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुफ्त की रेवड़ी ने हर राज्य में सत्तारूढ़ दल को जीत दिलाई है।

हिंदी और भारतीय भाषाएं

डॉ अर्चना त्रिपाठी

राजभाषा, राज्य भाषा और राष्ट्रभाषा जैसे सूक्ष्म और सामान्य दृष्टि सतह पर एक सा अर्थ देते हैं परंतु भाषा की तात्विक अर्थ दृष्टि में और प्रयोग के धरातल पर इन शब्दों की अर्थ व्यंजकता भिन्न है। राज कार्य राजकीय कार्य चलाने की भाषा राजभाषा कहलाती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत किसी देश का प्रशासन चलाने के लिए राजभाषा के रूप में किसी महत्वपूर्ण भाषा को मान्यता दी जाती है हम दूसरे शब्दों में यह भी कह सकते हैं कि प्रत्येक राष्ट्र अपने संविधान निर्माण के समय प्रशासनिक कार्यों को चलाने के लिए किसी एक भाषा को राजकीय स्वीकृति प्रदान करता है। केंद्रीय और उसकी प्रादेशिक सरकार द्वारा पत्र व्यवहार अथवा सरकारी कामकाज की विधि पद्धति राजभाषा के माध्यम से संपन्न होती है।

राजभाषा हिंदी को संविधान की धारा 343 के अनुसार (1) संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी, संघ के राजकीय परियोजनाओं के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय रूप होगा। संविधान लागू होने से 15 वर्ष की अवधि तक संघ के उन सभी राजकीय प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किया जाता रहेगा, जिनके लिए अभी तक उनका प्रयोग होता आ रहा है, इसी धारा में यह भी व्यवस्था कर दी गई कि उक्त समय अवधि में अपने आदेश द्वारा राष्ट्रपति संघ के राजकीय प्रयोजन के लिए अंग्रेजी के साथ–साथ हिंदी का प्रयोग भी कर सकेंगे।

14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाना या मनाया जाना अनुचित नहीं है, अनुचित है उसे कर्मकांड और उत्सव धर्मी का स्वरूप प्रदान करना। प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी की प्रतिष्ठा में वृद्धि न करके हम उसका विसर्जन सा कर देते हैं। उसकी प्रतिभा को हम सही रूप नहीं दे पा रहे हैं। उसका समृद्ध साहित्य और लोक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उसकी उपयोगिता उसकी मान्यता का आधार बनती है। हिंदी और भारतीय भाषाएं दरिद्रों की भाषा नहीं है, अपितु वह आध्यात्म और प्रौद्योगिकी से लेकर विज्ञान का सुषमा तम जानकारी करने वाले शब्दों का भंडार है। संस्कृत उसकी मां है। एक शब्द के अनेक और अनगिनत शब्दों का निर्माण करने की धातु संपदा उसके पास है। भाषा को संवारने और उसे सुसंस्कृत करने वाला उसका व्याकरण प्रकृति और संस्कृति के बीच का सेतु है। उसमें तर्क है, ल य है, और उसमें अनुरोध भी है, वैराग्य भी , उसमें संघर्ष का निषेध और समरसता की भावना है, भारतीय भाषाओं के साथ उसका सखी भाव सर्व व्याप्त है। उसको मार रहे हैं वह जो उसके नाम पर रोजी–रोटी कमाते खाते हैं। उसकी अब मानना कर रहे हैं वे जो भाषा का व्यापार करते हैं। उसका विकास नहीं होने दे रहे हैं वे जिन्होंने उसका औद्योगिकरण कर रखा है। उसके प्रचलन में बाधक हैं वह जिन्हें सत्ता और वोट की राजनीति के अतिरिक्त और कुछ नहीं समझते। जिन्हें यह डर है कि यह देश जब अपनी भाषा में बोलने लगेगा तो वह कहीं के नहीं रहेंगे। जरूर इस बात की है कि देशवासी सत्ता के इन दलालों से बचाना सीखें। इनका इरादा समझे और अपने–अपने इरादे पर दृढ़ता से कार्य करते रहें। अपने देश की भाषा में उनके राजकाज की भाषा से जवाब तलब करें और इसका मानसिक दबाव से मुक्ति हो की भाषा में क्या रखा है? भाषा कोई भी हो काम चलना चाहिए। भाषा कामकाज चलाने के लिए ही तो होती है।

कुछ चिंतनशील लोग हिंदी दिवस को जायज तो कुछ बिना मतलब ठहराएंगे। उनके मन में हिंदी के प्रति जो उदार है, जो चिंता है वह अखबारों में अक्षर से उभर आती है। लेकिन जब तक आप उनकी चिंता से रूबरू होते हैं तब तक 15 सितंबर हो गया होता है और यह चिंतितमनीषी हिंदी दिवस के अवसर पर जो संकल्पना लिए हुए रहते हैं उसे वह विसर्जित कर अपना थकान मिटा रहे होते हैं अथवा अपने बच्चों के लिए कॉन्वेंट स्कूल में दाखिले के लिए निवेदन कर रहे होते हैं । जब तक सियासत की बाजीगरी में मशगूल लोग भी हिंदी को उसका सही स्थान बताने व दिलाने की बात करते हैं पर उनके बच्चों के लिए अंग्रेजी ही विकास की खिड़की है इस अवसर पर सत्ता में बैठे लोगों की बात समझ में आती है कि वह हिंदी के पत्रकार भले ही हो पर हिंदी के साधन यह बताएंगे कि आखिर आजादी के बाद हिंदी सत्ता की कृपा की मोहताज कैसे हो गई? हिंदी एक सोच है जो भारतीयता के रूप में प्रकट होती है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि हमें हिंदी दिवस को हिंदी सप्ताह, हिंदी पखवाड़ा, हिंदी मां और हिंदी वर्ष फिर कभी हिंदी सती के रूप में जो कुछ कर रहे हैं अथवा करेंगे उसकी सार्थकता पर पश्चिम हिंदी जगत से ही लगाई जा रहे हैं। हमें पीड़ित करने वाली बात तो यह है कि इसी के बहाने एक हिंदी सेवक दूसरे को धकियाते, धकेलते हुए आगे बढ़ते मिलते हैं।

अनुराग कश्यप की निशानची में दिखेगा ऐश्वर्य ठाकरे का डबल टैलेंट

अमेज़न एमजीएम स्टूडियोज़ इंडिया की आने वाली फिल्म निशानची के साउंडट्रैक से एक और जबरदस्त पिजन कबूतर रिलीज हो गया है। ज़ी म्यूज़िक कंपनी ने इस आफबीट और बेहद कैची ट्रैक का म्यूज़िक वीडियो रिलीज कर दिया है। बता दें कि इस गाने को जहां भूपेश सिंह ने गाया है, वहीं इसे कंपोज करने से लेकर बोल लिखने तक का काम ऐश्वर्य ठाकरे ने किया है, जो फिल्म में बतौर लीड एक्टर डबल रोल में नजर आने वाले हैं। ऐश्वर्य ठाकरे इस आफबीट लिरिक्स, मस्ती भरे हिंग्लिश फ्लो और धमाकेदार एनर्जी से भरपूर इस गाने संग अपना म्यूज़िकल डेब्यू कर रहे हैं। यह गाना फिल्म में बेबाक और अनोखी दुनिया को बिल्कुल खूबसूरती से दिखाता है। गाने का हुक लाइन पिजन कबूतर भइया, उड़न फ्लाई, लुक देखो आसमान इस्काई पहले से ही लोगों की जुबान पर चढ़ गया है। गाना पिजन कबूतर तेज़ी से एक जबरदस्त ईयरवर्म यानी सभी का पसंदीदा बनने की ओर है। इस गाने का म्यूजिक वीडियो अब लाइव है, जो अपनी रंगीन विज़ुअल्स, अनोखी कोरियोग्राफी और ऐश्वर्य के डबल–रोल वाले अंदाज़ से गाने की एनर्जी में जान फूंकता है। कहना होगा कि मज़ेदार, चमकदार और पूरी तरह से फिल्मी टच लिए ये वीडियो निशानची की दुनिया में और ज़्यादा पागलपन भर देता है और गाने की कैची अपील को और बढ़ा देता है।

फिल्म तू मेरी मैं तेरा... की नई रिलीज डेट का हुआ एलान

इस साल का आखिरी दिन मूवी लवर्स के लिए खास रहने वाला है। वजह है कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की मच अवेटेड फिल्म तू मेरी मैं तेरा..., जिसकी रिलीज डेट अब प्रीपोन हो गई है। जहां पहले फिल्म 13 फरवरी 2026 यानी वेलेंटाइन डे पर आने वाली थी, लेकिन अब मेकर्स ने इसे 31 दिसंबर 2025 को रिलीज करने का फैसला किया है। यानी इस फिल्म को नए साल के मौके पर रिलीज किया जाएगा। कार्तिक और अनन्या ने फैंस के साथ पोस्ट शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा करते हुए एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि साल का आखिरी दिन हमारे साथ बिताइए, क्योंकि हमारी फिल्म नए साल से ठीक पहले सिनेमाघरों में आ रही है। साल खत्म होगा लेकिन प्यार की नई शुरुआत होगी। इस पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म की रैप पार्टी की एक तस्वीर भी शेयर की, जिसमें वह और अनन्या पांडे साथ नजर आ रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग कई खूबसूरत जगहों पर हुई है। एक ओर यूरोप का लोकप्रिय टूरिस्ट डेस्टिनेशन क्रोएशिया, वहीं दूसरी ओर भारत का ऐतिहासिक और रंगीन राज्य राजस्थान– दोनों जगहों की झलक दर्शकों को इस फिल्म में देखने को मिलेगी।

सैम कोंस्टास ने शतक ठोक मजबूत की एशेज की दावेदारी

लखनऊ, ऑस्ट्रेलिया–ए टीम के लखनऊ में दो चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट मैचों के लिए रवाना होने से पहले, सैम कोंस्टास और कप्तान नाथन मैकस्वीनी ने बड़े स्कोर बनाने की योजना बनाई थी। दोनों बल्लेबाजों को आगामी नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली एशेज सीरीज में नियमित ओपनर की जगह भरने का अवसर प्राप्त हुआ है।

मैकस्वीनी तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे, लेकिन केवल एक रन बना सके। वहीं, कोंस्टास ने पहले मैच के पहले दिन शानदार शतक जड़कर आस्ट्रेलिया को पांच विकेट पर 337 रन के मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्टंप्स के समय लियाम स्काट (नाबाद 47) और विकेटकीपर–बल्लेबाज जोश फिलिप (नाबाद 3) क्रीज पर हैं।

हर्ष दुबे चमके

मेजबान टीम के लिए हर्ष दुबे ने तीन

विकेट लिए। वह पहले दिन भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे। कोंस्टास का जन्म 2005 एशेज सीरीज के समाप्त होने के 20 दिन बाद हुआ था। उन्होंने 2024 अंडर–19 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक लगाकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

यह कोंस्टास का भारत–ए के खिलाफ दूसरा शतक है, क्योंकि इस साल की शुरुआत में बॉर्डर–गावस्कर सीरीज में भारत के खिलाफ शानदार अर्धशतक लगाने से पहले, उन्होंने प्रधानमंत्री एकादश के लिए भारत दौरे पर आई भारतीय टीम के खिलाफ 97 गेंदों पर 107 रनों की पारी खेली थी।

कैम्पबेल के साथ रिकॉर्ड साझेदारी

कोंस्टास, जो अगले महीने 20 वर्ष के हो जाएंगे, ने बादल छाए रहने के बावजूद टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। उन्होंने कैंपबेल केलावे के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए रिकॉर्ड 198 रन जोड़े। कोंस्टास ने 144 गेंदों पर 10 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 109 रन बनाए। इसके बाद कूपर कोनोली और लियाम स्काट ने पारी को संभाला और पांचवें विकेट के लिए 109 रन जोड़े। भारत ए के लिए बाएं हाथ के स्पिनर हर्श दुबे ने तीन, जी. बरार और खलील अहमद ने एक–एक विकेट चटकाया।

मनीष मल्होत्रा का गुस्ताख इश्क के साथ प्रोडक्शन डेब्यू, टीजर रिलीज

मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा अब पहली फिल्म गुस्ताख इश्क के साथ निर्माता के तौर पर डेब्यू करने जा रहे हैं। मेकर्स ने इसका टीजर रिलीज कर दिया।

मनीष मल्होत्रा की स्टेज5 प्रोडक्शन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का टीजर जारी किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, फिल्म गुस्ताख इश्क – पहले जैसी। इसका निर्देशन विभु पुरी ने किया है। इसे मनीष मल्होत्रा और दिनेश मल्होत्रा ने मिलकर बनाया है। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, विजय वर्मा, फातिमा सना शेख और शारिब हाशमी मुख्य भूमिकाओं में हैं। कहानी गुलजार ने लिखी है और संगीत विशाल भारद्वाज ने बनाया है। टीजर अब रिलीज हो चुका है। यह फिल्म नवंबर 2025 में सिनेमाघरों में आएगी।

पुरानी दिल्ली की गलियों और पंजाब के पुराने कोठियों की पृष्ठभूमि में बनी यह फिल्म एक प्रेम कहानी पर आधारित है, जिसमें जुनून और अनकही चाहत की गहराई है। मनीष मल्होत्रा ने फिल्म निर्माण को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, बचपन में सिनेमा ने मेरी कल्पना को आकार दिया। रंग, कपड़े, संगीत और जीवनशैली ने मुझे डिजाइनर बनने की प्रेरणा दी। स्टेज5 प्रोडक्शन के साथ, मैं उस सिनेमा को कुछ लौटाना चाहता हूं, जिसने मुझे सब कुछ दिया। यह मेरे लिए नई कहानियों और अनूठे जानर के साथ एक नया सफर है। बता दें कि मनीष ने अपने भाई दिनेश मल्होत्रा के साथ मिलकर यह फिल्म बनाई है, यह फिल्म उनके सिनेमाई सपनों का पहला कदम है।

पीसीबी और मोहसिन नकवी ने बदला रंग, रैफरी की शिकायत को लेकर ले लिया यू–टर्न

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने अपनी बात ये यू–टर्न ले लिया है। टीम इंडिया के मैच के बाद पाकिस्तानी टीम के हाथ न मिलाने पर एसीसी से शिकायत करने वाली पोस्ट को नकवी ने डिलीट कर दिया है। इस पोस्ट में नकवी ने दावा किया था कि उन्होंने एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) में मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। टीम इंडिया ने पाकिस्तान को एशिया कप–2025 के मैच में सात विकेट से हरा दिया था। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया था जिसके बाद काफी बवाल मच गया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से भी इस मामले में दखल देने को कहा था।

पोस्ट में लिखा था ये

नकवी ने जो पोस्ट डिलीट की है उसमें लिखा था कि मैच रैफरी पायक्रॉफ्ट ने दोनों कप्तानों को ये निर्देश दिए थे कि वह आपस में हाथ न मिलाएं। उन्होंने ये भी दावा

किया था कि रैफरी ने आईसीसी के नियमों का उल्लंघन किया है। इसके अलावा उन्होंने ये भी आरोप लगाए थे कि मैच रैफरी का ये कदम एमसीसी के नियमों के मुताबिक खेल भावना के खिलाफ है। नकवी ने कहा था कि पीसीबी ने यूएई के खिलाफ होने वाले अगले मैच में पायक्रॉफ्ट को रैफरी न रखने की बात की है और ये भी कहा है कि अगर वह रैफरी होते हैं तो फिर पाकिस्तान मैच का बायकाट करेगा।

आईसीसी ने खारिज की मांग

पीसीबी ने आईसीसी में भी इस बात की शिकायत की थी। हालांकि, आईसीसी से उन्हें निराशा मिली है। आईसीसी ने पायक्रॉफ्ट के खिलाफ की गई शिकायत को सिरे सा खारिज किया है। आईसीसी ने पीसीबी का मांग को खारिज कर दिया जिससे पाकिस्तान की जमकर बेइज्जती हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है। पायक्रॉफ्ट ने दोनों कप्तानों को हाथ न मिलाने के आदेश नहीं दिए थे। भारतीय टीम की तरफ से भी यही बात कही गई है कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को इस तरह के कोई निर्देश नहीं मिले थे।

संक्षिप्त समाचार

निजमूला-ईराणी सड़क बंद होने से लोग परेशान

चमोली : आपदा और सड़क टूटने से गांवों का जन जीवन अभी भी पटरी पर नहीं आया है। हालत यह है कि गांवों की सड़कें टूटने से प्रभावितों गांवों के लोगों को नमक की थैली और सिर दर्द की दवाई तक लेने के लिए पहाड़ों के पैदल रास्तों और उफनते गदेरों के बीच 8 से 10 किमी. पैदल चल कर बाजार आना पड़ रहा है। चमोली जिले में निजमूला घाटी और दूरस्थ गांव गौणा-इराणी की सड़क पिछले तीन महीनों से अवरुद्ध पड़ी है। यह सड़क 21 जून से अवरुद्ध पड़ी है। इराणी के पूर्व ग्राम प्रधान मोहन ने बताया सड़क बाधित होने से क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांव प्रभावित हैं। सड़क न होने से गांव के लोगों को टूटे पहाड़ी रास्तों और उफनते गदेरों को पार कर 8 किमी. बाजार आना पड़ रहा है। बीमार होने पर या गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए निजमूला से 50 किमी. दूर गोपेश्वर आना पड़ रहा है। पडेर-पेरी सड़क 10 जुलाई से बंद पड़ी है। सड़क पर भारी मलबा आने से सड़क अभी नहीं खुल सकी है। नन्दकेशरी सड़क 14अगस्त से अवरुद्ध पड़ी है। जिला विमोचन अधिकारी नन्दकिशोर जोशी ने बताया सम्बंधित सड़क निर्माण विभाग सड़क खोलने और सुचारू करने के लिए कार्य में जुटा है। मंगलवार को लंगासू लाइन के ब्रेक डाउन होने से 30 गांवों की विद्युत आपूर्ति ठप रही। 11 के वी लाइन के ब्रेक डाउन होने से नारायण बगड़ के 15 गांवों की विद्युत आपूर्ति बाधित रही। (एजेंसी)

श्रीकोट में पिंजरे में कैद हुआ गुलदार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गढ़वाल वन प्रभाग के तहत पोखड़ा ब्लॉक के श्रीकोट गांव में मंगलवार की सुबह एक गुलदार पिंजरे में कैद हो गया है। गुलदार के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। गुलदार के आदमखोर होने की पुष्टि को लेकर पशु चिकित्सक द्वारा गुलदार के आवश्यक सैंपल लिए जाएंगे। प्रभारी डीएफओ गढ़वाल जीवन मोहन दगाड़े ने बताया कि बीते शुक्रवार को पोखड़ा ब्लॉक के श्रीकोट गांव में गुलदार के हमले में चार साल की मासूम की मौत हो गई थी। जिसके बाद गुलदार को पकड़ने के लिए क्षेत्र में तीन पिंजरे लगाए गए थे। जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने बताया कि गुलदार की गतिविधियों पर निगरानी के लिए ड्रोन कैमरा, ट्रैप कैमरे स्थापित किए थे। साथ ही तत्काल फॉरेस्ट कंजर्वेटर, चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन के माध्यम से ट्रेंकुलाइजिंग की अनुमति प्राप्त कर ट्रेंकुलाइज स्नाइपर तैनात किए गए थे। डीएफओ जीवन मोहन दगाड़े ने बताया कि गुलदार घटनास्थल से लगभग 30 मीटर की दूरी पर लगाए गए पिंजरे में कैद हुआ। बताया कि अब गुलदार का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा व उसकी उम्र और लिंग की जानकारी भी ली जा रही है।

भालू के हमले से कालीमठ के आसपास के गांवों में दहशत

रुद्रप्रयाग : ग्रामीण क्षेत्रों में भालू के हमले की घटनाएं निरंतर बढ़ती जा रही हैं। कालीमठ के क्विराला तोक में बीती रात भालू ने दो गोशालाएं तोड़कर वहां बंधे मवेशियों पर हमला किया। ग्रामीणों के शोर-शराबा करने के बाद किसी तरह भालू भागा। ग्रामीणों ने वन विभाग से शीघ्र भालू के आतंक से निजात के साथ ही प्रभावितों को मुआवजा देने की मांग की है। ग्राम पंचायत कालीमठ के क्विराला तोक में एक जंगली भालू ने दो गोशालाओं पर हमला करके ग्रामीणों में दहशत फैला दी। ग्रामीण गोविन्द सिंह राणा की गोशाला में घुसकर भालू ने एक गाय को पंजा मारकर घायल कर दिया, जबकि यशवंत राणा की गोशाला में दरवाजा और छत तोड़ने का प्रयास किया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर भालू भाग गया, किंतु पशुओं को घायल करने में भालू कामयाब हो गया। हालांकि ग्रामीणों के हल्ला करने से किसी तरह जानवरों की जान बच गई है। गोविन्द सिंह राणा ने बताया कि जानवरों की आवाज सुनकर ग्रामीण घरों से बाहर आए और शोर मचाकर भालू भाग गया। हालांकि, तब तक भालू उनकी गाय को घायल कर चुका था। यशवंत राणा की गोशाला में भालू द्वारा दरवाजा और छत तोड़ने का प्रयास किए जाने से संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। प्रधान कालीमठ प्रदीप राणा और क्षेत्र पंचायत सदस्य सीमा देवी ने बताया कि उनके द्वारा वन विभाग को घटना की सूचना दी गई है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य बिंदु देवी ने कहा कि गांव के आसपास जंगल और खेतों में भालू के छिपे होने की संभावना है, इसलिए खतरा अभी टला नहीं है। उन्होंने संबंधित विभाग से शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया और सभी ग्रामीणों से सतर्कता बरतने की अपील की। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि वह भालू को पकड़ने के लिए तत्काल कदम उठाए और गांव वालों की सुरक्षा प्रदान करने की कार्यवाही करे। (एजेंसी)

लापरवाह निगम, बदहाल पड़ा मालवीय उद्यान पार्क

निगम की ओर से मालवीय उद्यान में बनाया गया था इको पार्क,पार्क में उगी झांडियों व जगह-जगह रखे कबाड़ से बिगड़ रही सूरत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कुछ माह पूर्व नगर निगम ने मालवीय उद्यान पार्क को इको पार्क के रूप में विकसित किया था। इसके लिए लाखों रुपये भी खर्च किए गए थे। लेकिन, वर्तमान में यह पार्क बदहाल हो चुका है। पार्क में अतिक्रमण के दौरान जब्त किए गए सामान को डंप किया जा रहा है।

बच्चों व बुजुर्गों के साथ ही आमजन के लिए नगर निगम परिसर के समीप पार्क बनाया गया है। कुछ माह पूर्व नगर निगम करीब ने डेढ़ लाख की लागत से इसे इको पार्क के रूप में विकसित किया था। पार्क में जगह-जगह निरूपयोगी वस्तुओं से विभिन्न आकृति भी बनाई गई। शुरुआत में बकायदा इसके लिए बच्चों और अन्य लोगों को भी जागरूक किया गया था। निगम ने बच्चों को बताया था कि किस तरह वह अपने घर से निकलने वाले निरूपोगी सामान का उपयोग बेहतर तरीके से कर सकते हैं। लेकिन, कुछ समय पार्क की देख-रेख करने के बाद निगम ने इसकी सुध लेना ही बंद कर दिया। नतीजा आज यह पार्क बदहाल स्थिति में पहुंच चुका है। पार्क में एकत्रित कबाड़ से बच्चों के चोटिल होने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय निवासी राहुल कुमार, रवि सिंह ने बताया कि पार्क में एकत्रित कबाड़ को हटाने के लिए कई बार नगर निगम के अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया है। यही नहीं नगर निगम ने राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे बने रामलीला पार्क को भी अपने भारी वाहनों की पार्किंग बना दिया है।

कोटद्वार नगर निगम के समीप मालवीय उद्यान पार्क में पड़ा कबाड़

लाखों की स्मैक के साथ दो युवक गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नशे के खिलाफ पुलिस का अभियान सख्ती के साथ जारी है। मंगलवार को कोतवाली पुलिस ने 16.45 ग्राम स्मैक के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की कीमत पांच लाख रुपये बताई जा रही है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि मंगलवार को पुलिस बीईएल रोड में गश्त कर रही थी। इसी दौरान कौड़िया की ओर से दो युवक तेज रफ्तार मोटर साइकिल में आते हुए दिखाई दिए। बताया कि पुलिस ने दोनों युवकों को रोककर उनकी तलाशी ली तो उसके पास से स्मैक बरामद हो गई। बताया कि युवकों की पहचान जगदीशपुर (बेलाडाट) निवासी अमित चौहान व देवी रोड निवासी मंदीप नेगी के रूप में हुई है। कहा कि दोनों आरोपित जिस मोटर साइकिल में स्मैक की तस्करी कर रहे थे उसे भी सीज कर दिया गया है। आरोपितों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

कोतवाली पुलिस की हिरासत में स्मैक के साथ पकड़े गए युवक

स्मार्ट मीटर का विरोध, दिया धरना

स्मार्ट मीटर के विरोध में तहसील में धरना देते लोग

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : कोटद्वार शहर में स्मार्ट मीटर लगाए जाने का लोगों ने विरोध किया है। कहा कि शिकायत के बाद भी घरों में जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। जबकि, स्मार्ट मीटर लगातार लोगों की जेब खाली कर रहा है। ऐसे में सबसे अधिक परेशनी गरीब परिवारों को हो रही है।

मंगलवार को लोगों ने तहसील परिसर में धरना दिया। कांग्रस नेता रंजना रावत ने कहा कि ऊर्जा निगम की ओर क्षेत्र के आवासीय भवनों व दुकानों में कुछ समय पूर्व स्मार्ट मीटर लगाए गए थे। स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनके बिजली के बिल पहले की तुलना में काफी अधिक आ रहे है, जिससे उन पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। क्षेत्र की अधिकांश जनता गरीब है और वह बिजली के बिलों में हुई वृद्धि का भार उठाने में असमर्थ है। आरोप लगाया कि क्षेत्र में कई भवनों में बिना अनुमति के ही स्मार्ट मीटर लगा दिए गए है। कहा कि जनता के हित को देखते हुए जल्द से जल्द समार्ट मीटर लगाने का निर्णय वापस लिया जाना चाहिए।

ओजोन को बचाने का संकल्प, चलाया स्वच्छता अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ओजोन दिवस पर पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत में गोष्ठी का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने ओजोन को बचाने का संकल्प लिया। साथ ही विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया। इस दौरान निबंध प्रतियोगिता में संजना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आयोजित गोष्ठी में विद्यार्थियों को धरती की सुरक्षा कवच ओजोन परत के बारे में जानकारी दी गई। प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने बताया कि वर्ष 1994 से प्रत्येक वर्ष 16 सितंबर को विशेष थीम के साथ विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है। कहा कि हमें ओजोन परत के क्षय को बचाने पर ध्यान देना चाहिए। इस दौरान जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील की गई। गोष्ठी के उपरांत विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई थीम पर निबंध प्रतियोगिता हुई। जिसमें संजना ने प्रथम, खुशी ने द्वितीय एवं अर्चना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में हिमानी, श्वेता, इशिका प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर रहे। इस दौरान विद्यालय में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। विद्यार्थियों ने जगह-जगह फैली गंदगी को एकत्रित कर उसे नष्ट किया।

आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता अभियान चलाते विद्यार्थी

उपजिलाधिकारी के स्थानांतरण की मांग, जारी रहा धरना

जयन्त प्रतिनिधिः कोटद्वार : देवी मंदिर की संपत्ति सील किए जाने के विरोध में अधिवक्ताओं का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी का स्थानांतरण नहीं हो तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है। कहा कि धार्मिक स्थलों में इस तरह की कार्रवाई बर्दाश्त नहीं होगी।

मंगलवार को बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नागेंद्र जोशी के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने धरना दिया। कहा कि कि सुखरो देवी मंदिर विवाद प्रकरण में उपजिलाधिकारी का पक्षपातपूर्ण रवैया रहा। बताया कि सुनवाई की तिथि 15 सितंबर को नियत की थी। लेकिन, दूसरे पक्ष को सुने बिना 11 जुलाई को एक तरफ फैसला सुनाते हुए देवी मंदिर के दानपात्र, लाइब्रेरी को सीज कर दिया। कहा कि धार्मिक स्थलों में इस तरह की कार्रवाई बर्दाश्त नहीं होगी। इस दौरान उपजिलाधिकारी ने अधिवक्ताओं से धरने को समाप्त करने की भी अपील की। लेकिन, अधिवक्ता अपनी मांगों पर अड़े हुए थे। इस मौके पर अनिल खंतवाल, राजीव पटवाल, आशुतोष कुकरेती, रश्मि चंदोला, अनुज भट्ट, अमित बडोला, केपी भदोला मौजूद रहे।

तहसील में अधिवक्ताओं से वार्ता करते उपजिलाधिकारी

राजस्व निरीक्षक क्षेत्र में मौजूद रहे : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मंगलवार को बारिश से जिले में जगमोहन सिंह नेगी स्टेट हाइवे सहित 11 सड़कें बंद रही। जिलाधिकारी ने मंगलवार को आपदा कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और जिले में बारिश से हुए नुकसान की समीक्षा की। डीएम स्वाति भदौरिया ने बारिश से प्रभावित सड़कों, बिजली और पानी की सप्लाई दुरुस्त करने को कहा। कहा कि राजस्व निरीक्षक अपने क्षेत्रो में मौजूद रहे। एनएच, लोनिवि, पीएमजीएसवाई को निर्देश दिए कि जहां सड़कें बंद है उन्हें समय से खोला जाए। अधिशासी अभियंता सड़क खोलने की सूचना कंट्रोल रूम को दे। डीएम ने जेसीबी मशीनों की जियो टैगिंग के साथ ऑपरेटर की फोटो उपलब्ध कराने को भी कहा, ताकि ऑपरेटर मशीन पर उपस्थित रहे। इस मौके पर एडीएम अनिल सिंह गर्ब्याल, डीपीआरओ जितेंद्र कुमार, पीडी स्वजल दीपक रावत, आपदा प्रबंधन अधिकारी दीपेश काला आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण में शैक्षणिक संस्थानों की सक्रिय भूमिका

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विश्व ओजोन दिवस पर मंगलवार को बीजीआर परिसर पौड़ी के रसायन विज्ञान विभाग के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें ओजोन संरक्षण पर विस्तार से चर्चा हुई। विज्ञान लोकप्रियकरण व्याख्यान, प्रश्नोत्तरी और वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता जीबी पंत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, घुड़दौड़ी के प्रो. हरमेंद्र गोयल ने ओजोन क्षरण के पीछे के विज्ञान, इसके पर्यावरणीय और स्वास्थ्य प्रभाव, ओजोन पुनर्प्राप्ति के उद्देश्य से तकनीकी नवाचारों की जानकारी दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परिसर निदेशक प्रो. यूसी गैरोला ने नीति और कार्यान्वयन के दृष्टिकोण को चर्चा में शामिल किया। वहीं प्रो. एमसी पुरोहित ने ओजोन दिवस मनाने और पर्यावरण संरक्षण में शैक्षणिक संस्थानों की सक्रिय भूमिका को बताया। प्रो. प्रभाकर बडोनी ने ओजोन क्षरण की समस्या से निपटने में निरंतर अनुसंधान और जनसहभागिता पर जोर दिया। प्रो. पीयूष गोयल ने भी ओजोन-सुरक्षित प्रयासों को लागू करने में वैश्विक प्रयासों और भारत की भूमिका के बारे में बताया। वहीं आस्था शर्मा, अमन, मीनाक्षी, कैलाश और साक्षी नेगी आदि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता विजयी रहे। इस अवसर पर डॉ. गौतम कुमार, डॉ. सरिता गौड़, डॉ. अनूप पांडे, डॉ. सीबी कोटनाला, डॉ. विक्रम सिंह नेगी, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. अनिल दत्त और डॉ. अतुल सैनी आदि मौजूद रहे।

चार वार्ड सदस्यों ने दिया इस्तीफा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : बीरोंखाल ब्लॉक के अंतर्गत नागणी ग्रामसभा के निर्विरोध चार वार्ड सदस्यों ने अपने पद से त्याग पत्र दे दिया है। उन्होंने त्याग पत्र एडीओ पंचायत को सौंप दिया है। एडीओ पंचायत राजेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि नागणी में चार वार्ड मेंबर रामपाल सिहं, सुनीता देवी, कल्पेश्वरी देवी, दीप सिंह ने अपने परिवारिक करणों का हवाला देते हुए अपने पदों से त्याग पत्र दे दिया है। वही इन वार्ड मेंबरों का त्याग पत्र डीपीओ पौड़ी को भेज दिया है।

ईई पर एफआईआर मामले में इंजीनियरों का विरोध जारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : ऋषिकेश-बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर धारी देवी के पास सड़क धंसने के मामले में अधिशासी अभियंता (ईई) के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा आपदा अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज किए जाने के मामले में उत्तराखंड इंजीनियर्स फेडरेशन और डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ का विरोध जारी है। मंगलवार को फेडरेशन की जिलाधिकारी से सकारात्मक वार्ता हुई है।

मंगलवार को भी जहां प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर पौड़ी में अभियंताओं ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया है। फेडरेशन के पौड़ी अध्यक्ष पीके सैनी ने बताया कि इस संबंध में मंगलवार को डीएम पौड़ी से साकरात्मक वार्ता भी हुई है। बताया कि बीते दिनों से बारिश के कारण आपदा जैसे हालत हो गए है ऐसे में सभी तकनीकी विभाग को इस समय काम प्राथमिकता दिए जाने पर भी चर्चा हुई है। फेडरेशन और डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ ने भी एफआईआर वापस लेने की मांग उठाई है। संघ के जिलाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह रावत ने बताया कि इस संबंध में प्रांतीय कार्यकारिणी से वार्ता चल रही है। आगे की रणनीति के तहत ही कदम उठाए जाएंगे।

कांग्रेस ने शुरु किया हस्ताक्षर अभियान

जयन्त प्रतिनिधिः कोटद्वार : वोटर लिस्ट से लोगों के नाम काटे जाने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने हस्ताक्षर अभियान चलाया। कहा कि कुछ माह पूर्व हुए नगर निगम के चुनाव में कई लोगों के वोटर लिस्ट से नाम गायब थे। ऐसे में प्रशासन को गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

मंगलवार को कांग्रेस ने हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की। जिलाध्यक्ष विनोद डबराल ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर पूरे प्रदेश में हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। कहा कि केंद्र सरकार के इशारे पर चुनाव आयोग जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन कर रहा है। कहा कि चुनाव आयोग संविधान की मूल भावना से खिलवाड़ कर वोटर लिस्ट से नाम कटवा रहा है। उन्होंने विगत चुनाव में कोटद्वार से दस हजार लोगों के नाम काटे जाने का आरोप लगाया। कहा कि अकेले शिब्बूनगर वार्ड से सात सौ वोटरों के नाम काट दिए गए। कहा कि उन्होंने मेरा वोट-मेरा अधिकार अभियान के तहत चार सौ घरों के साक्ष्य जुटा लिए है। इस मौके पर रंजना रावत, दलीप सिंह रावत, लक्ष्मी चौहान, गोपाल सिंह, कृपाल सिंह, चंद्रमोहन सिंह, महावीर सिंह नेगी, योगेंद्र सिंह, कैलाश चंद्र, मनवर सिंह, कमल रावत मौजूद रहे।

हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत के दौरान कार्यालय में एकत्र जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व सदस्य

Notice

I declare that the date of birth mentioned in the educational documents of my daughter Smriti Negi is 27-10-2011 which is wrong. Where as the actual documents show 27-10-2010. In future he should be known by his actual date of birth. Dhirendra Singh F/o Smriti Negi resident of ward no 17, Manpur, Tehsil Kotdwar, Distt Pauri Garhwal, Uttarakhand.
(1235/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे नाम पर भारतीय जीवन बीमा निगम में पालिसी संख्या 273257347 है, जिसमें मेरा नाम अर्चना देवी अंकित हो गया है, जबकि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम रचना पत्नी कुलदीप सिंह अंकित है। अर्चना देवी एवं रचना एक ही महिला याने मेरे ही नाम है।

रचना पत्नी कुलदीप सिंह निवासी आमपड़ाव, तहसील कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(1236/21)

भाषण प्रतियोगिता में महक रानी रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में राष्ट्रीय सेवा योजना, नमामि गंगे एवं रसायन विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस मौके पर प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह ने बताया कि ओजोन दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को ओजोन परत के महत्व के प्रति जागरूक करना है और उसके संरक्षण के उपायों को समझना है।

इस अवसर पर ओजोन परत संरक्षण के लिए व्यक्तिगत भूमिका विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. छाया सिंह, डॉ. सुधीर सिंह रावत एवं परिणाम संकलन डॉ. विवेक रावत द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में बीएससी प्रथम सेमेस्टर की छात्रा महक रानी, दिव्या एवं बीएससी पंचम सेमेस्टर के छात्र अजय रावत ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर पर्यावरणविद एवं उत्तराखण्ड में मैती आंदोलन के प्रणेता कल्याण सिंह रावत, प्राध्यापक डॉ. विवेक रावत, डॉ. दुदुन मेहता, डॉ. नीरज असवाल आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन बीएससी की छात्रा रिचा रावत ने किया।

गढ़वाल विवि में प्रचार-प्रसार पर प्रशासन सख्त

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विश्वविद्यालय के बिड़ला परिसर में छात्रसंघ चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। 27 सितंबर को होने वाले छात्रसंघ चुनाव के मतदान और मतगणना की सभी औपचारिकताएं विवि प्रशासन और चुनाव समिति द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं। छात्र संगठनों द्वारा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, विवि प्रतिनिधि, छात्रा प्रतिनिधि और सहसचिव सहित कार्यकारिणी सदस्य के लिए अपने-अपने प्रत्याशियों की घोषणाएं मंगलवार से शुरू हो गई हैं। एक ओर गढ़वाल विवि के श्रीनगर स्थित बिड़ला और चौरास परिसरों में विभिन्न छात्र संगठनों के सदस्य छात्र-छात्राओं के बीच जाकर अपने पक्ष में एक-एक वोट की अपील कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ बाहरी लोग और बिना प्रवेश के विवि परिसरों में सक्रिय दिख रहे युवाओं की संख्या भी बड़ी मात्रा में देखी जा रही है। छात्र बिना प्रवेश लिए, पोस्टर और हैंडकार्ड लेकर नारेबाजी कर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार कई ऐसे छात्र हैं जिन्होंने विवि में प्रवेश नहीं लिया है, लेकिन वे चुनावी समर में अपने पसंदीदा प्रत्याशियों के पक्ष में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए बिना प्रवेश और आईडी कार्ड के घूम रहे युवाओं की पहचान करना बड़ी चुनौती बन गया है। (एजेंसी)

जंगली सुअरों से निजात दिलाने की उठाई मांग

रुद्रप्रयाग : विकासखंड जखोली की ग्राम पंचायत कपणिया, बच्चवाड व बरसिर में जंगली सुअरों के द्वारा धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है,जिस के कारण इस क्षेत्र के किसानों को हताश होना पड़ रहा है। प्रधान संघ के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष महावीर सिंह पंवार ने उपजिलाधिकारी जखोली को दिए ज्ञापन में ग्राम पंचायत कपणियां, बच्चवाड़ और बरसिर में जंगली सुअरों से निजात दिलाने की मांग की है।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा वाणिज्य विज्ञापन, ई.वी चार्जिंग कम पार्किंग, पूजा सामग्री कीओस्क, मेडिकल आउटलेट, डिजिटल लॉकर, स्लीपिंग पॉड्स, स्टाफ कैंटीन एव रेल कोच रेस्टोरेंट के ठेके को संचालन एवं आवंटन हेतु ई–बोलियाँ **Website www.ireps.gov.in** पर दिनांक 30.09.2025 को आमंत्रित की गयी है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्ते **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2830/25

संक्षिप्त समाचार

पुल की सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त, हादसे का खतरा

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर से श्रीनगर को जोड़ने वाले कीर्तिनगर पुल की सुरक्षा दीवार मंगलवार सुबह क्षतिग्रस्त हो गई। पुल को श्रीनगर का लाइफ लाइन माना जाता है। सुबह से हो रही तेज बारिश के कारण और जर्जर स्थिति में पड़ी सुरक्षा दीवार को 10 मीटर हिस्सा गिर गया है। वहीं, पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से अस्थाई बोर्ड लगाया है, जिससे अनहोनी होने से बचा जा सके। एनएच लोनिवि के अधिशासी अभियंता राजबीर सिंह चौहान ने बताया कि पुल की सुरक्षा दीवार ढहने की सूचना प्राप्त हुई है। बताया कि सुरक्षात्मक उपाय के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। (एजेंसी)

आइसा ने शिवांक को उपाध्यक्ष पद का प्रत्याशी बनाया

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विश्वविद्यालय के बिड़ला परिसर में आगामी 27 सितम्बर को होने वाले छात्रसंघ चुनाव से पहले मंगलवार को छात्र संगठन आइसा ने उपाध्यक्ष पद के लिए शिवांक नौटियाल को अपना प्रत्याशी घोषित किया। गढ़वाल विवि के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष और आइसा के अंकित उछोली तथा विवि की निवर्तमान छात्रा प्रतिनिधि प्रियंका खत्री ने शिवांक नौटियाल के नाम की घोषणा की। आइसा के पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे रोबिन असवाल ने कहा कि आइसा छात्रसंघ चुनाव में हुड़दंग से दूर रहकर स्वच्छ विचारों और छात्र हित की राजनीति को आगे बढ़ाएगा। निवर्तमान छात्रा प्रतिनिधि प्रियंका खत्री ने बताया कि विवि ने उनके छात्रा प्रतिनिधि बनते ही अतिथि शिक्षकों के मानदेय में वृद्धि, प्रोफेशनल कोर्सों की फीस में की गई वृद्धि को कम किए जाने, बस स्टैंड के लिए टीन शेड लगाए जाने, लाइब्रेरी में विद्यार्थियों को लॉकर की सुविधा दिए जाने और विवि के भीतर नई बसों को संचालित किए जाने सहित कई छात्र हितों के मामलों में संघर्ष किया है।

आर्यन ने घोषित किया महासचिव पद का प्रत्याशी

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव में आर्यन छात्र संगठन ने मंगलवार को गढ़वाल मंडल विकास निगम में पत्रकार वार्ताकर अनुरोध पुरोहित को महासचिव पद का प्रत्याशी घोषित किया। आर्यन छात्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय बिष्ट ने कहा कि पिछले 12 वर्षों से उनका संगठन गढ़वाल विश्वविद्यालय में छात्रसंघ महासचिव पद पर प्रत्याशी उतारता रहा है, जिसमें 9 बार उन्हें जीत मिली है। उन्होंने बताया कि आर्यन संगठन हमेशा से छात्र हितों के लिए समर्पित रहा है। पूर्व महासचिव कविन्द्र नेगी, देवकांत देवराड़ी, राम प्रकाश, प्रदीप रावत और सम्राट राणा ने बताया कि अनुरोध पुरोहित को पूर्व पदाधिकारियों का बेहतर मार्गदर्शन मिल रहा है। इस बार संगठन अपने दसवें महासचिव को जीतकर छात्रों के बीच पहुंचना चाहता है। (एजेंसी)

इंजीनियरिंग कॉलेज में पांच दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम शुरू

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी स्थित प्रौद्योगिकी संस्थान बौन में गत दिवस से नये सत्र के छात्रों का पांच दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम शुरू हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ किया। यहां आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ एचएस भदौरिया ने नये छात्रों का स्वागत करते हुए संस्थान में उपस्थित विभिन्न विभागों की कार्यविधि के बारे में अवगत कराया। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुये कहा कि संस्थान हर साल छात्रों ने बेहतर शैक्षणिक माहौल देने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने छात्रों को शिक्षा, अनुशासन और जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा चलाये गये कोर्स छात्रों के लिये एक सुनहरा अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिविल जज सचिन कुमार एवं एडवोकेट अभयराज सिंह विष्ट ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जिम्मेदार और सजग नागरिक बनने का संदेश दिया।

पुरोला में तहसील दिवस पर आठ शिकायत दर्ज

उत्तरकाशी। मंगलवार को उपजिलाधिकारी मुकेश रमोला की अध्यक्षता में आयोजित तहसील दिवस में डिकालगांव –ढुंकरा व पुरोला पोरा मोटर रोड सहित क्षेत्र में भारी बारिश व फसलों के नुकसान की शिकायतें दर्ज हुई। सामाजिक कार्यकर्ता बलदेव रावत ने प्रशासन से सर्वे कराने व नुकसान का मुआवजा दिलाने की मांग की। वहीं नागझाला प्रधान महेंद्र कुमार ने ढिकालगाव डुंकरा मोटर मार्ग पर कार्य न होने पर नाराजगी जताई।

15 ब्लॉकों में लगेंगे 481 से अधिक स्वास्थ्य शिविर

आज जिला चिकित्सालय में होगा विशेष अभियान का शुभारंभ

इस विशेष स्वास्थ्य अभियान के तहत अलग-अलग तिथियों को विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ये शिविर जनपद के प्रमुख क्षेत्रों में लगाए जाएंगे, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा सेवाएं प्रदान की जाएंगी। जिसमें 17 सितम्बर 2025 को जिला चिकित्सालय पौड़ी में विशेष अभियान के शुभारंभ के साथ ही स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही ब्लॉक कार्यालय डाडामंडी में 18, सीएचसी पाबों व नौगांवखाल में 19 सितंबर, 20 सितंबर को सीएचसी थलीसैंण, पीएचसी रिखणीखाल व पीएचसी धुमाकोट, 21 सितंबर को सीएचसी बीरोंखाल, 22 सितंबर को सीएचसी पोखड़ा, 24 सितंबर को सीएचसी घंडियाल, 25 सितंबर को पीएचसी जयहरीखाल, 27 सितंबर को सीएचसी यमकेश्वर व सीएचसी कोट 30 सितंबर को सीएचसी खिर्सू व पीएचसी दुगड्डा में स्पेशलिस्ट कैंप आयोजित किए जाएंगे। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. शिव मोहन शुक्ला ने कहा कि स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार, टैगलाइन के साथ चलाए जा रहे इस विशेष अभियान का उद्देश्य केवल रोगों की पहचान और उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि जनमानस को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना भी है। उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में लोगों से स्वास्थ्य शिविरों में लाभ उठाने की अपील की है।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद पौड़ी के निवासियों के लिए स्वास्थ्य विभाग एक बड़ी पहल करने जा रहा है। 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक जनपद के 15 ब्लॉकों में 481 से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। यह विशेष अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से लेकर महात्मा गांधी जयंती तक चलाया जाएगा और इसका उद्देश्य जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. शिव मोहन शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे इस अभियान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस दौरान आयोजित होने वाले शिविरों में गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं और उनकी देखभाल पर विशेष जोर रहेगा। इसके साथ ही कैंसर रोग की प्रारंभिक अवस्था में स्क्रीनिंग, ओरल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की निःशुल्क जांच की जाएगी, ताकि समय रहते रोग का पता चल सके और समुचित इलाज संभव हो सके। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित शिविरों में 15 स्पेशलिस्ट कैंप के साथ ही सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 30 व आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में 336 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में एनीमिया की जांच, टीकाकरण, बच्चों के पोषण, किशोरियों की स्वास्थ्य जांच, दिव्यांग प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आभा आई.डी. बनाने के साथ ही ब्लड डोनेशन कैंप, जिनमें ई-रजिस्ट्रेशन की भी व्यवस्था होगी। साथ ही इस अभियान के दौरान टी.बी. से ग्रसित मरीजों को समाज के सक्षम लोगों द्वारा गोद लेने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा, ताकि उन्हें बेहतर पोषण व सहायता मिल सके।

अफसर तहसील दिवस को गंभीरता से लें : धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास से प्रदेशभर की सभी तहसीलों में आयोजित तहसील दिवस कार्यक्रमों में वर्चुअल प्रतिभाग कर जनता से संवाद किया। उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि तहसील दिवस आमजन की समस्याओं के समाधान का सशक्त मंच है तथा सरकार का लक्ष्य है कि हर शिकायत का तय समय में निस्तारण हो। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी तहसील दिवस को गंभीरता से लें। यह दिवस सरकार की जनसेवा की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तहसील दिवस पर आमजन की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही हो, ताकि लोगों को अपनी शिकायतों के निस्तारण के लिए जिला मुख्यालय, शासन न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर तहसील दिवस को शत-प्रतिशत प्रभावी बनाना है। कहा कि शिकायतों का त्वरित समाधान के साथ ही अन्य शिकायतों का नियमित फॉलो-अप भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि किसी भी स्तर पर समस्या न रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे अपात्र व्यक्ति जिन्होंने गलत जानकारी के आधार पर आयुष्मान, राशन कार्ड, स्थायी निवास, जाति प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज बनाए हैं। उन्हें भी चिन्हित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों के हक और संसाधनों की सुरक्षा करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

तहसील दिवस पर छाई रही बिजली और पानी की समस्याएं

श्रीनगर गढ़वाल : तहसील श्रीनगर में मंगलवार को जिला प्रशासन की ओर से आयोजित तहसील दिवस पर आम जनता की समस्याएं सुनीं गई। श्रीनगर क्षेत्र के अंतर्गत एनएच, नगर निगम, राजस्व, जिला विकास प्राधिकरण, विद्यालय और विद्युत विभाग संबंधी समस्याओं पर प्रशासन की ओर से सुनवाई प्रभाव में लाई गई। वार्ड नं 1 पार्षद राजेंद्र सिंह नेगी ने कलियासौड़ व आसपास के क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था लचर होने की बात सामने रखी, जिस पर प्रशासन द्वारा मौके पर उपस्थित विद्युत विभाग के अधिकारियों को व्यवस्था सुचारु रखने के निर्देश दिए गए। वार्ड नं 40 पार्षद संदीप रावत ने पेयजल पाइप लाइनों की सुरक्षित व्यवस्था किये जाने को लेकर प्रशासन से मांग की। तहसील दिवस में पहुंचे लोगों ने विद्यालय में शिक्षकों के समय पर पहुंचने के लिए निर्धारित स्थल पर रहने, राजस्व क्षेत्र संबंधी कार्यों को जांचने, निगम क्षेत्र में संचालित व्यवस्थाओं को सुचारु किये जाने पर चर्चा की। इस दौरान सीएम पुष्कर सिंह धामी के जन्मदिन पर उनका सम्बोधन भी सुना गया। तहसीलदार श्रीनगर दीपक भंडारी ने बताया कि तहसील दिवस में करीब छह से सात विभागों की समस्याएं जनता ने प्रशासन के सामने रखी। कहा कि 10 शिकायतें दर्ज की गई, जिसमें से तीन मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। इस मौके पर एसडीएम श्रीनगर नूपुर वर्मा, कोतवाली प्रभारी जयपाल नेगी, सहायक नगर आयुक्त रविराज बंगारी व अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। (एजेंसी)

शांति भंग के आरोप में पांच नेपालियों पर हुई कार्यवाही

रुद्रप्रयाग : गौरीकुण्ड क्षेत्र में आपस में विवाद कर शान्ति भंग कर रहे पांच नेपालियों के विरुद्ध पुलिस ने चालानी कार्यवाही की। उन्हें भविष्य के लिए अच्छा आचरण बनाए रखने की सख्त हिदायत के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस ने बताया कि गौरीकुंड में होटल अनूप के समीप कुछ नेपालियों द्वारा आपस में कहासुनी व लड़ाई झगड़ा किया जा रहा था। इनकी आपसी बहस आदि का वीडियो विभिन्न सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। चौकी गौरीकुंड पुलिस द्वारा सभी 5 नेपालियों को हिरासत में लेकर शान्ति भंग करने के जुर्म में इनके विरूद्ध उत्तराखंड पुलिस अधिनियम में चालानी कार्यवाही की गई। नेपालियों में राजेंद्र बोरा, रमेश शाही, भीमराज सिंह, लोकेन्द्र बहादुर शाही, राज देवी शाही शामिल है। (एजेंसी)

गुलदार के आंतक से निजात दिलाने को ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

मृतक के परिवार को 25 लाख मुआवजा और परिवार के सदस्य को नौकरी देने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पोखड़ा क्षेत्र में लगातार बढ़ रही गुलदार की घटनाओं से परेशान ग्रामीणों ने मंगलवार को चौबट्टाखाल तहसील में जोरदार प्रदर्शन किया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जानवरों के हमले में मृत्यु होने पर परिवार को कम से कम 25 लाख का मुआवजा व परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी मिलनी चाहिए। जबकि घायल व पशु हानि पर भी उचित मुआवजा देना चाहिए। उन्होंने तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री और वन मंत्री को ज्ञापन भेजकर समस्या के निराकरण की मांग की। मंगलवार को डिग्री कॉलेज चौबट्टाखाल से होते हुए जनप्रतिनिधि और ग्रामीण तहसील मुख्यालय तक जुलूस की शक्ल में पहुंचे। इस मौके पर जनप्रतिनिधियों ने कहा कि गांवों के आसपास गुलदार का आतंक बढ़ता ही जा रहा है, इससे लोग खेतों और रास्तों पर जाने से भी डर रहे हैं। सीएम और वन मंत्री को भेजे ज्ञापन में मांग की कि गांवों से सटे 100 मीटर क्षेत्र को गुलदार मुक्त बनाया जाए। झाड़ियां और अनावश्यक उग आए पेड़-पौधों की सफाई हो। मुख्य मार्गों और स्कूलों तक जाने वाले रास्तों के किनारों की झाड़ियों को भी हटाया जाए। संवेदनशील गांवों में प्राथमिकता के आधार पर जालीनुमा बाढ़ कराई जाए और सुरक्षा चाहने वाले ग्रामीणों को बंदूक का लाइसेंस मिले। प्रदर्शन करने वालों में ब्लाक प्रमुख पोखड़ा संजय गुंसाई, पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह रावत, जिला पंचायत सदस्य पूनम कैन्तुरा, बलवंत सिंह, कांग्रेस प्रदेश सचिव कविन्द्र ईष्टवाल, सुधीर सुंद्रियाल, दिग्विजय सिंह रावत, लाल सिंह भंडारी, यशपाल सिंह, गिरधारी सिंह, राजे सिंह, मतवार सिंह आदि शामिल रहे।

बाघ और गुलदार की गिनती की जाएं

जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जंगलों में वन्यजीवों के लिए भोजन-पानी की व्यवस्था वन विभाग करे, ताकि वे रिहायशी इलाकों की ओर न आएं। बाघ और गुलदार की गिनती होनी चाहिए व उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कॉलर आईडी जैसी कोई सुविधा भी। अवैध शिकार रोकने के लिए पेट्रोलिंग टीम गठित होनी चाहिए।

उत्तराखंड के युवा देवराघवेन्द्र ने बढ़ाया मान

रुद्रप्रयाग : असम की राजधानी गुवाहाटी में 9 से 12 सितम्बर तक आयोजित बीम्सटेक अन्तर्राष्ट्रीय युवा नेतृत्व शिखर सम्मेलन में उत्तराखंड के युवा पर्यावरण विशेषज्ञ देवराघवेन्द्र सिंह चौधरी ने भारत का प्रतिनिधित्व कर राज्य और देश का नाम रोशन किया। यह सम्मेलन भारत के विदेश मंत्रालय एवं भारत स्काउट-गाइड के सहयोग में संपन्न हुआ। जिसमें बीम्सटेक देशों बाग्लादेश, भूटान, भारत, थाईलैण्ड, श्रीलंका, नेपाल और म्यांमार से करीब 100 युवाओं ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन में देवराघवेन्द्र ने विशेष रूप से उत्तराखंड हिमालय के हस्तशिल्प और जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने, उद्यमिता स्थापित करने तथा युवाओं को हरित उद्यमिता विकास की दिशा में कार्य करने पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के युवा यदि स्थानीय संसाधनों का सदुपयोग करें तो रोजगार और पर्यावरण संरक्षण, दोनों क्षेत्रों में अहम योगदान दे सकते हैं। बीम्सटेक युवा नेतृत्व शिखर सम्मेलन का उद्घाटन असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने किया, जबकि समापन समारोह में असम की खेल एवं युवा कल्याण मंत्री नंदिता गोरलोसा ने भाग लिया। इस दौरान युवाओं और विशेषज्ञों के बीच संवादात्मक सत्र आयोजित हुए, जिनमें विनेक अटारिया, संजय आदित्य एवं प्रो. सिद्धार्थ नारायण ने व्याख्यान देकर प्रतिभागियों को उद्यमिता विकास के गुर सिखाए। गुवाहटी से लौटे रुद्रप्रयाग जनपद के कोट तल्ला निवासी देवराघवेन्द्र ने बताया कि इस शिखर सम्मेलन ने विदेश से आए युवाओं के साथ विचार साझा करने, संस्कृति व परंपराओं के आदान-प्रदान तथा नवीन नवाचारों को प्रस्तुत करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य बीम्सटेक देशों के युवाओं में सृजनशीलता, दृढ़ता, सतत विकास और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करना था। साथ ही, इस मंच ने देशों के बीच युवा नेतृत्व नेटवर्क स्थापित करने और आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। देवराघवेन्द्र ने अंत में भारत के विदेश मंत्रालय, भारत स्काउट-गाइड संगठन तथा पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों से जुड़े सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। (एजेंसी)

सात लोगों को किया गिरफ्तार

उत्तरकाशी)। पुलिस ने ऑपरेशन लगाम के तहत कार्यवाही करते हुए सांय कालीन गस्त व होटल ढाबों की चेकिंग के दौरान बड़कोट बाजार क्षेत्र में शराब पीकर हुड़दंग मचाने वाले सात व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। बड़कोट थाना अध्यक्ष दीपक कठैत के नेतृत्व में थाना बड़कोट पुलिस टीम द्वारा सोमवार शाम को सांय कालीन गस्त व होटल ढाबों की चेकिंग की। चेकिंग के दौरान बड़कोट बाजार क्षेत्र में शराब पीकर हुड़दंग मचाने वाले सात व्यक्तियों को पकड़ा है।

मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर मरीजों को बांटे फल

उत्तरकाशी। मुख्यमंत्री पुष्पकर सिंह धामी के जन्मदिन को भाजपा कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस मौके पर गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने भी सीएम को बधाई दी और उनके जन्म दिवस पर जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए। सेवा पखवाड़े के तहत मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ता गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान के नेतृत्व में जिला अस्पताल पहुंचे। जहां पर सभी ने अस्पताल में के विभिन्न वाड़ो में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए और उनका हालचाल जाना।

मरीजों ने अपने दुख दर्द विधायक के समक्ष रखे । वहीं इस दौरान विधायक चौहान ने अस्पताल के कार्मिकों से स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में साफ सफाई रखने व मरीजों व उनके तीमारदारों के साथ कुशल व्यवहार बनाने के निर्देश दिए।

लोनिवि मंत्री के निर्देश के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों—पुलों की मरम्मत का काम शुरू

मसूरी—देहरादून मार्ग पर वैली ब्रिज तैयार करने का चल रहा है काम

देहरादून। प्रदेश के लोक निर्माण एवं सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि बीती रात से देहरादून एवं आसपास के इलाकों में हो रही आफत की बारिश ने, जनजीवन अस्त—व्यस्त कर दिया है। 20 से लेकर 30 सड़कें और कुछ स्थानों पर पुल क्षतिग्रस्त हो गये हैं। जबकि बहुत से सम्पर्क मार्ग भी पूरी तरह से कट गये हैं। प्रदेश के लोक निर्माण एवं सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि मसूरी—देहरादून मार्ग पर शिव मंदिर के पास भारी बारिश के कारण पुल के क्षतिग्रस्त होने के यातायात को सुचारू करने के लिए वैली ब्रिज तैयार किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग एवं एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह बरसात से बाधित मुख्य सड़कों को तत्काल ठीक कर यातायात बहाल करें। उन्होंने बताया कि प्रेमनगर नंदा की चौकी के समीप टौंस नदी पर क्षतिग्रस्त हुए पुल के कारण यातायात सुचारू रखने के लिए एनएचएआई को पूरी तरह से खोल दिया गया है। लोनिवि मंत्री महाराज बताया कि मालदेवता के पास केसरवाला से आगे, रायपुर चौक से मालदेवता की ओर जाने वाली सड़क का लगभग 70—100 मीटर हिस्सा सौंग नदी के उफान के कारण बह गया जिसे भरने का काम शुरू कर दिया गया है। इसी प्रकार देहरादून—हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग लालतप्पड़ के जाखन नदी के पास बने पुल का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद यातायात को भानियावाला और नेपाली फार्म से वैकल्पिक मार्गों पर भेज दिया गया है। पानी कम होते ही तत्काल पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का काम शुरू कर दिया जाएगा।

डीएम ने मार्गों को जल्द खोलने के निर्देश दिए

देहरादून)। डीएम ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने और सड़क एवं अवरुद्ध मार्गों को जल्द से जल्द सुचारु करने के निर्देश दिए हैं। डीएम सविन बंसल ने अपने—अपने क्षेत्र अंतर्गत आपदा राहत कार्य की समीक्षा तथा क्षेत्र में हुई क्षति का आंकलन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को लेकर समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने पूर्ति अधिकारी को तहसील स्तर पर राहत शिविरों में ठहराए गए लोगों तक फूड पैकेट और प्रभावित लोगों तक ड्राई राशन पहुंचाने और सीएमओ को आवश्यक मेडिसिन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी कंट्रोल रूम से जिले के प्रत्येक क्षेत्र में आपदा राहत कार्यों की पल पल अपडेट ले रहे हैं।

अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज: डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा पहाड़ का सहारा

अल्मोड़ा। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का मुख्य आधार माना जाने वाला सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान अल्मोड़ा इन दिनों गंभीर संकट से गुजर रहा है। डॉक्टरों की भारी कमी के कारण न केवल मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा, बल्कि चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। कॉलेज के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कुल 178 स्वीकृत पदों में से केवल 53 पद ही भरे हुए हैं। यानी यहां लगभग 70 प्रतिशत डॉक्टरों की कमी है। स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हृदय रोग विशेषज्ञ, न्यूरोलॉजिस्ट, न्यूरोसर्जन, नेफ्रोलॉजिस्ट और यूरोलॉजिस्ट जैसे अहम विशेषज्ञ चिकित्सक पद सृजित नहीं होने के चलते

संस्थान में उपलब्ध ही नहीं हैं। कार्डियोलॉजिस्ट न होने के चलते हृदय रोगियों को अक्सर हल्द्वानी रेफर करना पड़ता है और यह रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। न्यूरोसर्जन की अनुपस्थिति के कारण गंभीर मरीजों को समय पर उपचार न मिल पाने से उनके परिजनों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। कई बार उन्हें महंगी दरों पर एम्बुलेंस बुक कर मैदानी क्षेत्रों के अस्पतालों का रुख करना पड़ता है।रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया भी इस संकट की गहराई को उजागर करती है। इंटरव्यू के दौरान बहुत कम संख्या में डॉक्टर ही सामने आते हैं। इसका बड़ा कारण यह है कि पहाड़ी इलाकों में काम करना चुनौतीपूर्ण है। यहां न तो पर्याप्त सुविधाएं हैं और न ही करियर ग्रोथ के अवसर, जिसके चलते अधिकांश चिकित्सक मैदानी क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हैं। फैकल्टी की कमी ने भी हालात को और जटिल बना दिया है। जहां न्यूनतम 90 फैकल्टी सदस्य होने चाहिए थे, वहां केवल 53 ही उपलब्ध हैं। ऐसे में मेडिकल कॉलेज की कार्यप्रणाली और शिक्षा व्यवस्था दोनों प्रभावित हो रही हैं। जब देशभर में स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को सशक्त बनाने की बातें हो रही हैं, उस समय अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज की यह स्थिति गंभीर चिंता का विषय है।

उत्तराखंड ने संस्कृत शिक्षा से जुड़ी योजनाओं के प्रस्ताव सौंपे

देहरादून। उत्तराखंड में संस्कृति शिक्षा के उत्थान और विकास के लिए विभिन्न योजनाओं के प्रस्ताव केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली को सौंपे। मंगलवार को संस्कृत शिक्षा सचिव दीपक कुमार की अगुवाई ने अधिकारियों ने दिल्ली स्थित विश्वविद्यालय के मुख्यालय में बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक में उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी और संस्कृत बोर्ड के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। संस्कृत शिक्षा सचिव दीपक कुमार ने उत्तराखण्ड के संस्कृत विद्यालयों, महाविद्यालयों के लिए पुस्तकें, शिक्षक, छात्रवृत्ति, छात्रावासीय व्यवस्था, विश्व संस्कृत सम्मेलन, संस्कृत ग्रामों के विस्तार, वोकेशनल कार्यशाला, अष्टादशी योजना, शिक्षक कौशल विकास कार्यशाला पर अनुदान का प्रस्ताव रखा। बैठक में निदेशक योजना प्रो. मधुकर भट्ट, दिव्यांशी, उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव दिनेश कुमार, प्रो.प्रकाश चन्द्र पंत, डॉ. सुमन प्रसाद भट्ट, शोध अधिकारी उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी डॉ. हरीशचन्द्र गुरुरानी मौजूद रहे।

मां का नाम नहीं बताने पर रुकी जा रही छात्रवृत्ति

– शिक्षा से जुड़ी केंद्रीय योजनाओं में छात्रों के ब्यौरे के साथ मां का नाम लिखना अनिवार्य

देहरादून। शिक्षा से जुड़ी केंद्रीय योजनाओं में छात्रों के ब्यौरे के साथ मां के नाम लिखना अनिवार्य किया है। ऐसा नहीं करने पर केंद्र से बजट रोक दिया जा रहा है। उत्तराखंड में इससे ऐसे छात्रों की छात्रवृत्ति प्रभावित हो रही है, जिनके आवेदन के साथ मां का नाम नहीं दिया गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से छात्रों के पूर्ण ब्यौरे को लेकर राज्यों को गाइडलाइन जारी की गई है। उत्तराखंड को भी केंद्र से इसे लेकर पत्र मिला है, जिसमें ऑनलाइन पोर्टल पर ऐसे सभी छात्राओं की माताओं का नाम दर्ज करने के लिए कहा गया है। क्योंकि केंद्र प्रायोजित योजाओं के लिए अलग ऑनलाइन वित्तीय प्रणाली स्पर्श का प्रयोग किया जाता है। इसमें केंद्र सरकार से राज्यों के भेजे गए फंड का उपयोग केवल उसी उद्देश्य के लिए किया जाता है, जिसके लिए बजट आवंटित किया गया है। इस व्यवस्था में बजट के दुरुपयोग को रोकने और भुगतान में पारदर्शिता के लिए एसएनए स्पर्श आरबीआई के ई—कुबेर प्रणालि और राज्यों की वित्तीय प्रणालि के साथ एकीकृत होकर काम करता है।

ग्रामीणों की समस्याओं के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : डीएम

गैरसैण तहसील दिवस में ग्रामीणों ने दर्ज कराई 175 शिकायतें

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में मंगलवार को गैरसैण विकासखंड सभागार में तहसील दिवस का आयोजन जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि तहसील दिवस जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। तहसील दिवस में मुख्य रूप से लोनिवि, पीएमजीएसवाई, जल संस्थान, सिंचाई विभाग, ऊर्जा विभाग, आपूर्ति

विभाग की जैसे पेयजल आपूर्ति, सड़क, विद्युत और बीपीएल कार्ड से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। तहसील दिवस में ग्रामीणों की ओर से रखी गई 175 शिकायतों को सुनते हुए जिलाधिकारी ने अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया, जबकि शेष शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी जनता की समस्याओं को गंभीरता से लें और समयबद्ध ढंग से कार्य करें, अन्यथा कड़ी कार्यवाही की जाएगी। ग्राम पंचायत नैणी के ग्रामीणों ने विद्युत आपूर्ति, हर घर जल योजना और सड़क की समस्या उठाई। नैणी के ग्रामीणों की ओर से पूर्व प्रधान गजेंद्र सिंह रावत द्वारा कुछ निर्माण कार्यों पर आपत्ति जताई गई, जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि आपत्ति वाले कार्यों की सूची प्रस्तुत की जाए ताकि जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जा सके। जेष्ठ प्रमुख लीलाधर जोशी ने सणकोट-रंगचौड़ा-गोगना पेयजल योजना से संबंधित समस्या रखी। इस पर जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियंता को 15 दिन के भीतर समस्या का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी गैरसैण सोहन सिंह रांगण, पुलिस उपाधीक्षक अमित कुमार सहित सभी विभागीय अधिकारी, नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

डीएम ने दिये एफआईआर दर्ज करने के आदेश

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने तहसील दिवस में ब्रिडकुल के एई की अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और विभागीय कार्यों में लापरवाही बरतने तथा आपदा प्रबंधन कार्य प्रभावित होने पर सहायक अभियंता नरेश कुमार और कनिष्ठ अभियंता आशीष मलेठा (पीएमजीएसवाई ब्रिडकुल) के विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की धाराओं में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469 / 79
फोन / फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com